राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 02 जुलाई 2026
वर्ष 14, अंक 84, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

तेजाब पीड़ितों के सम्मानजनक जीवन की पहल...03

वियतनाम के रेस्टोरेंट में भारतीय फैमिली का बवाल...04

भरत तिवारी केस: सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई सीबीआई जांच की मांग

- जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की वेकेशन बेंच ने आदेश दिया है
- अर्जी सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने दायर की थी
- याचिका में पूरे मामले की सीबीआई जांच और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी

याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने को कहा

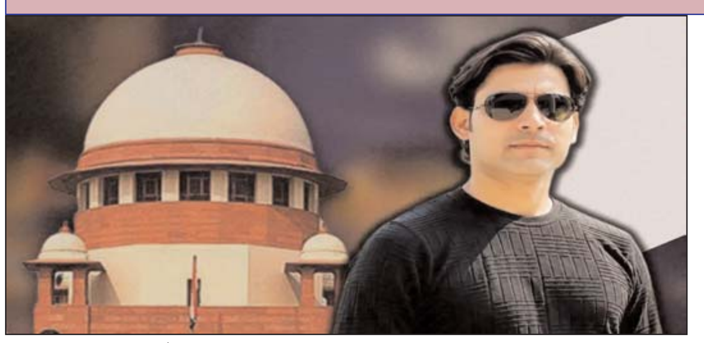

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर मामले की सीबीआई जांच की मांग ठुकरा दिया है.सर्वोच्च अदालत ने याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने की सलाह दी है. जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की वेकेशन बेंच ने आदेश दिया है। अर्जी सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने दायर की थी।

याचिका में पूरे मामले की सीबीआई जांच और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी याचिकाकर्ता व अधिवक्ता विशाल तिवारी ने कहा कि पुलिस ने कार्रवाई गैरकानूनी थी। पहले भी ऐसे मामले कई राज्यों में हुए हैं, जिससे संबंधित याचिकाएं यहां लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट जाएं. अदालत में याचिका के जरिए कहा गया है कि इस तरह के मामलों में कानून के शासन और लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच जरूरी है. याचिका में यह भी गुहार लगाई गई कि इस पूरे प्रकरण की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में गठित स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति की निगरानी में कराई जाए।

क्या है पूरा मामला?

17 जून को बिहार के भोजपुर जिले में भरत तिवारी नाम के शख्स की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी. एनकाउंटर पर सवाल उठ रहे हैं। इसे लेकर बिहार में काफी बवाल भी हुआ। पुलिस द्वारा बल प्रयोग पर सवाल उठाए गए और स्वतंत्र जांच की मांग की गई। मामले को लेकर बिहार सरकार ने न्यायिक जांच के आदेश दिए। पुलिस के अनुसार, भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौती गांव निवासी भरत तिवारी 17 जून को उसे गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर अवैध हथियार से गोलीबारी करने लगा. पुलिस के अनुसार, पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तिवारी घायल हो गया और बाद में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हालांकि, भरत तिवारी के परिजनों का आरोप है कि भरत ने गोली चलाने से पहले आत्मसमर्पण कर दिया था और अपना हथियार भी फेंक दिया था. उनका दावा है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो से प्रतीत होता है कि पुलिस की गोलीबारी के समय वह निहत्था था। इस मामले में भरत तिवारी के परिवारवालों के खिलाफ भी केस दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया गया. भोजपुर के SP राज ने भरत तिवारी के पिता और भाई के खिलाफ दर्ज मामला वापस लिया. SP ने ही FIR वापसी की जानकारी भरत की मांग आशा देवी को दी।

पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज

मामले में भोजपुर जिले के शाहपुर थाना में पुलिस अधिकारी समेत तीन से चार पुलिस कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया. उक्त एफआईआर भरत तिवारी के परिजनों के आवेदन पर दर्ज हुआ है, जिसमें जगदीशपुर के एसडीपीओ राजेश शर्मा, शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार समेत अन्य पुलिसकर्मियों का नाम शामिल है।

भरत तिवारी की श्रद्धांजलि सभा

आज भरत भूषण तिवारी की श्रद्धांजलि सभा है. आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम में करीब 25 हजार लोगों के शामिल होने की संभावना है आयोजन समिति के सदस्य पंकज त्रिपाठी ने बताया कि भरत तिवारी की शहादत के बाद देशभर से लोगों का समर्थन मिल रहा है. इस बीच गांव में भरतपुर में आपका स्वागत है लिखे पोस्टर भी लगाए गए हैं। पंकज त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीणों ने अपने स्तर पर गांव को भरतपुर नाम दे दिया है और भरत तिवारी को शहीद मानते हैं. उन्होंने कहा कि सरकार चाहे जो निर्णय ले, लेकिन लोगों के बीच भरत की पहचान अब एक शहीद के रूप में स्थापित हो चुकी है।

राम की भक्ति कालनेमियों को निपटा देगी...CM योगी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामपुर में विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी चिढ़ है कि अयोध्या नगरी इतनी सुंदर कैसे हो गई
- काशी विश्वनाथ धाम इतना सुंदर कैसे हो गया
- इसलिए झूठ फैला रहे हैं, लेकिन प्रभु श्री राम की भक्ति ऐसे कालनेमियों से निपटने में पूरी तरह सहायक है

बोले- अयोध्या को लेकर फैला रहे हैं झूठ

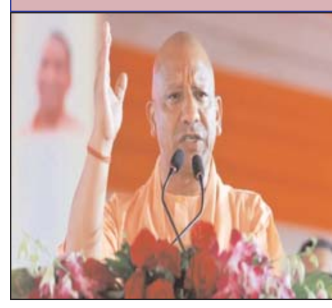

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेरामपुर में लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी घटना का नाम लिए बिना विपक्ष पर अयोध्या को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी' चिढ़ है कि अयोध्या नगरी इतनी सुंदर कैसे हो गई, काशी विश्वनाथ धाम इतना सुंदर कैसे हो गया। अब कुछ नहीं कर पा रहे हैं तो झूठ का सहारा लेकर कुछ न कुछ तो करेंगे और कुछ न कुछ बोलेंगे, लेकिन प्रभु श्री राम की भक्ति ऐसे कालनेमियों से निपटने में पूरी तरह सहायक है। सीएम योगी ने कहा किकांग्रेस 2017 से पहले राम के अस्तित्व और श्रीकृष्ण के अस्तित्व को नकार चुकी थी। अब वे भी कह रहे हैं कि राम तो सबके हैं। अब वे लोग सभी अयोध्या जाने के लिए मचल रहे हैं. प्रभु राम तो जग नियंता हैं। इस ब्रह्मांड के स्वामी हैं। वे भी जानते हैं कि सही कौन और बुरा कौन है? सीएम योगी ने कहा कि प्रभु राम की भक्ति तो हनुमान जी के अंदर इतनी ताकत पैदा कर देती है कि लक्ष्मण जी को बचाने के लिए लक्ष्मण बूटी लाने जा रहे हनुमान जी के साथ कोई कालनेमी धोखा देकर इससे वंचित करने का प्रयास करता है तो राम की भक्ति ऐसे कालनेमियों को निपटाने में सहायक हो जाती है. इस लिए चिंता की बात नहीं है।

अयोध्या इतनी सुंदर क्यों, इसकी है चिढ़

उन्होंने कहा कि उनकी चिढ़ तो है कि अयोध्या और काशी इतनी सुंदर कैसी हो गयी. उनकी चिढ़ तो है तो प्रयागराज का वैभव महाकुंभ के नाम पर देश और दुनिया को कैसे आकर्षित कर रहा है। उनकी चिढ़ मथुरा और वृंदावन को लेकर है। तीर्थ को लेकर और हमारे विधायकों द्वारा पुराने स्थलों का विकास का काम हो रहा है, उसे रोकने की चिढ़ थी। अब कुछ नहीं कर पा रहे हैं तो झूठ का सहारा लेकर कुछ न कुछ तो करेंगे और कुछ न कुछ बोलेंगे। इनका वक्तव्य दिखाता है कि अंगूर खट्टे हैं। जनता जनार्दन इनको सबक सीखा चुकी है उन्होंने कहा कि नौवजान रोजगार पाकर प्रदेश में विकास में योगदान दे रहा है। डबल इंजन की सरकार तुष्टीकरण नहीं, आमजन के संतुष्टीकरण पर विश्वास करती है।

यूपी बन गया है अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी रामपुर के चाकू का दुरुपयोग करके जनता की जमीनों पर कब्जा करती थी और उन्हें प्रताड़ित करती थी। डबल इंजन सरकार आई तो यही चाकू जनता की सुरक्षा के लिए उपयोग में आ रहा है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, जो कांग्रेस और सपा के पाप के कारण कभी बीमारू था, आज वह भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनकर Top 3 Economy के रूप में स्वयं को स्थापित कर रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

भीषण गुर्मी में स्कूलों में अवकाश की मांग, डीएम को सौपा ज्ञापन

गोपीगंज। भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए राहुल सिंह ने जिलाधिकारी शैलेश कुमार को ज्ञापन सौंपकर कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालयों में कुछ दिनों का अवकाश घोषित करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि जिले में तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ऐसे में विद्यार्थियों को हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन व अन्य मौसमी बीमारियों से बचाने के लिए अवकाश घोषित किया जाना जनहित में आवश्यक है।

सुगंधित पुष्पों से सजा बाबा का दरबार

गोपीगंज। सोमवार को ब्रह्मांडनायक देवाधिदेव महादेव का भव्य श्रृंगार किया गया। सायंकाल बाबा बड़े शिव, बाबा गोपेश्वरनाथ और बाबा तिलेश्वरनाथ का अलौकिक स्वरूप में सुगंधित पुष्पों व पंच द्रव्य से श्रृंगार कर महाआरती-पूजन संपन्न हुआ।अलौकिक स्वरूप के दर्शन के लिए सायंकाल से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे थे। आरती के समय पूरा परिसर नर-नारियों से भर गया। 'हर हर बम बम' के जयघोष और डमरू, शंख व करतल ध्वनि से मंदिर परिसर देर रात तक गुंजायमान रहा।

29 वर्षो की सेवा के बाद कैलाशपति तिवारी सेवानिवृत्त

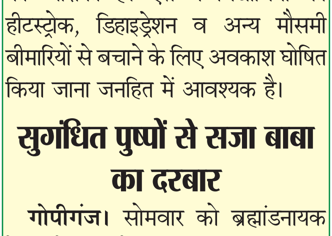

भदोही। जिला सूचना कार्यालय, भदोही में मंगलवार को वरिष्ठ वाहन चालक कैलाशपति तिवारी के अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिला सूचना अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने उनके 29 वर्षों के निष्कलंक, ईमानदार एवं समर्पित सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री तिवारी ने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी से ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोटे ब्याज और प्रोसेसिंग फीस पर लोन देने वालों पर योगी सरकार का एक्शन, उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

- गैर-पंजीकृत वित्तीय इकाइयों पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई होगी।
- आर्थिक अपराधों में शीघ्र जांच और प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित होगा।
- जनता को निवेश से पहले सावधानी बरतने हेतु जागरूक करें।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। गैर पंजीकृत वित्तीय इकाइयों द्वारा अत्यधिक ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने, अतिरिक्त प्रोसेसिंग शुल्क वसूलने, ऋण वसूली के लिए अनैतिक तरीकों का उपयोग करने तथा फर्जी सेविंग बांड जारी करने की शिकायतें मिलने पर अब तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।आर्थिक अपराध से जुड़े मामलों में शीघ्र जांच, प्रभावी अभियोजन तथा दोष सिद्धि सुनिश्चित कराने तक अधिकारी सक्रिय रहेंगे। इस तरह के अपराधों में दोषियों के विरुद्ध कठोर व समयबद्ध कार्रवाई कराने को प्राथमिकता दी जाएगी।

मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा संयोजित राज्य स्तरीय समन्वय समिति (एसएलसीसी) की 21वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि आम जनता को निवेश योजना में धन लगाने से पहले संबंधित कंपनी के दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करने तथा कंपनी के पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी का सत्यापन अवश्य करने के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने प्रदेश में सक्रिय बहुराज्यीय सहकारी समितियों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों, आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) व रजिस्ट्रार सहकारी समितियां (आरसीएस) द्वारा की जा रही कार्रवाई, अनियमित रूप से जमा स्वीकार करने वाली कंपनियों, गैर पंजीकृत संस्थाओं की अवैध वित्तीय गतिविधियों पर आसूचना (इंटेलीजेंस) साझा करने और वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि 'सचेत' पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा समयबद्ध कार्रवाई करते हुए पोर्टल पर अपलोड किया जाए, जिससे शिकायतकर्ताओं को भी प्रकरण के प्रगति की जानकारी मिल सके।

मुख्य सचिव ने इस बात पर बल दिया कि वित्तीय व साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए बैंकों, प्रवर्तन एजेंसियों और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक राजीव द्विवेदी ने आम जनता में वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में सचिव वित्त संदीप कौर, डीजीएम आरबीआई हैमन्ती सरकार, आईजी गीता सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यूपी में अब कक्षा की सीख से बनेगी शिक्षा नीति, बच्चों के सीखने के साक्ष्यों पर तय होगी नई रणनीति

लखनऊ। अब प्रदेश में शिक्षा सुधार की दिशा केवल योजनाओं और आदेशों से नहीं, बल्कि कक्षा में बच्चों की वास्तविक सीख और शिक्षकों के अनुभवों से तय होगी। पहली बार सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के तरीके का साक्ष्य आधारित अध्ययन नई शैक्षणिक रणनीति की नींव बनेगा। इसी सोच के साथ मंगलवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'पालिसी टू प्रैक्टिस डायलाग' में बेसिक शिक्षा विभाग और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन ने टीचिंग एंड लर्निंग प्रैक्टिसेज सर्वे (टीएलपीएस)-2025 रिपोर्ट जारी की। इसमें सुझाव दिया गया है कि कक्षा का वातावरण ऐसा हो, जहां बच्चे बिना डर के सवाल पूछ सकें। रटने की बजाय कहानी, बातचीत, स्वतंत्र पठन-लेखन, समूह गतिविधियों और बच्चों की मातृभाषा के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि शिक्षा में वास्तविक बदलाव तभी आएगा, जब शिक्षक हर बच्चे की सीखने की जरूरत के अनुसार कक्षा में पढ़ाने का तरीका अपनाए। उन्होंने एक जुलाई से शुरू हो रहे स्कूल चलो अभियान को पूरी गंभीरता से सफल बनाने के निर्देश दिए।

किसानों की आय बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली

- यूपी के 65 जिलों में बढ़ावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। जलवायु परिवर्तन और लगातार बदल रहे मानसून के मिजाज को देखते हुए प्रदेश में वर्षा आधारित खेती को अधिक सुरक्षित और लाभकारी बनाने की कोशिश की जा रही है। खरीफ सीजन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के तहत संचालित जलवायु अनुकूल एकीकृत कृषि प्रणाली (क्लाइमेट रेजिलिएंट इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम) को प्रदेश के 65 जिलों में लागू किया जा रहा है, जिससे कम वर्षा होने पर भी किसानों का उत्पादन और आय प्रभावित न हो। योजना के तहत मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, पीलीभीत, हापुड़, गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर और शामली को छोड़कर शेष जिलों में प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर क्लस्टर विकसित किए जाएंगे।

इसमें फसल उत्पादन के साथ कृषि वानिकी (पेड़), पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन और वर्मी कम्पोस्ट जैसी गतिविधियों को एक साथ अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। लाभ पाने के लिए फसल के साथ पेड़ लगाना अनिवार्य होगा, जबकि अन्य गतिविधियों में से कम से कम दो को भी साथ में शामिल करना होगा। योजना के तहत प्रत्येक किसान परिवार को तीन वर्षों में 30 हजार रुपये तक का अनुदान दिए जाने का प्रविधान है, यह राशि चरणबद्ध तरीके से दी जाएगी। प्रत्येक क्लस्टर में किसानों को आधुनिक जलवायु अनुकूल खेती की तकनीकों का प्रशिक्षण देने के लिए 10 हजार रुपये की व्यवस्था भी की गई है। विभाग के अनुसार, बारिश कम होने या अनियमित होने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इस पहल से किसानों को केवल फसल पर निर्भर रहने के बजाय आय के कई स्रोत मिलेंगे, जिससे कम बारिश या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में भी उनकी आर्थिक स्थिति पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा।

सोनभद्र में दो माह बाद एक जुलाई से पुनः चलेगी नियमित कोर्ट

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में एक मई से 30 जून तक चल रही थी प्रात:कालीन कोर्ट
- जिले की भौगोलिक स्थिति के साथ ही अत्यधिक गर्मी पड़ने के मद्देनजर प्रति वर्ष मार्निंग कोर्ट का होता है संचालन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सोनभद्र की अदालतों में दो माह मार्निंग कोर्ट चल रही थी, लेकिन अब पुनः नियमित कोर्ट चलेगी। एक जुलाई बुधवार से सुबह 10 बजे से कोर्ट का संचालन शुरू हो जाएगा। जिसकी वजह से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं वादकारियों के नित्य क्रिया में एकबार फिर से परिवर्तन करना पड़ेगा जिससे शुरुआत में परेशानी होगी। बता दें कि सोनभद्र जिले की भौगोलिक स्थिति अन्य जिलों से भिन्न है। जिसके चलते दो महीने मई और जून माह में भयंकर गर्मी पड़ती है। सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त प्रस्ताव पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोनभद्र में दो माह अर्थात एक मई से 30 जून तक के लिए मार्निंग कोर्ट संचालित करने का निर्देश दिया था। जिसकी वजह से प्रातः 6:30 बजे से दोपहर बाद 1:30 बजे तक मार्निंग कोर्ट चल रही थी। यह आदेश जनपद न्यायालय सोनभद्र व अधीनस्थ न्यायालयों, वाह्य न्यायालय अनपरा स्थित ओबरा, दुद्धी व ग्राम न्यायालय घोरावल पर लागू था। लेकिन अब एक जुलाई बुधवार से पुनः पहले की तरह सुबह 10 बजे से नियमित कोर्ट का संचालन होगा। इससे एकबार फिर से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों व वादकारियों को अपने दिनचर्या में बदलाव करना पड़ेगा, जिससे शुरुआत में कुछ दिनों तक परेशानी होगी, बाद में सुचारू रूप से चलने लगेगा।

2 दिनों में फिर से युद्ध शुरू होगा, नेतन्याहू ने ईरान को दी बड़ी धमकी

- अमेरिका और ईरान में बातचीत के बीच अब इजराइल के इस एक्शन से पश्चिम एशिया में तनाव गहरा गया है।
- दरअसल इजराइल ने ट्रंप के लेबनान में हमले रोकने की अपील के बावजूद हिजबुल्ला को दहलाया है। संकेत साफ हैं। इजराइल किसी से भी रुकेगा नहीं।
- क्योंकि नेतन्याहू ने एक बार फिर से यह साफ किया है कि उनकी सेना का लेबनान में ऑपरेशन हिजबुल्लाह के तहत सफाई का काम जारी रहेगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ईरान के साथ युद्ध को लेकर इजराइल ने बड़ा दावा कर दिया है। दो दिनों के अंदर फिर से युद्ध शुरू हो सकता है और अगर ईरान हमला करता है तो फिर से युद्ध शुरू होगा। सुप्रीम लीडर मोजतबा खामनेई नहीं हमारे निशाने पर हैं। इजरायली सेना को तैयार रहने के हमने आदेश दे दिए हैं। आईडीएफ ब्लू एंड वाइट ऑपरेशन के लिए तैयारी करें। यह बड़ा बयान इजराइल की तरफ से दिया गया है। दो दिनों के अंदर युद्ध शुरू हो सकता है। अगर ईरान ने हमला किया तो फिर से युद्ध शुरू होगा। पिछले कुछ घंटों से अमेरिका और ईरान के बीच भले ही शांति हो लेकिन इजराइल ने नया मोर्चा खोल दिया है। अमेरिका और ईरान में बातचीत के बीच अब इजराइल के इस एक्शन से पश्चिम एशिया में तनाव गहरा गया है। दरअसल इजराइल ने ट्रंप के लेबनान में हमले रोकने की अपील के बावजूद हिजबुल्ला को दहलाया है। संकेत साफ हैं। इजराइल किसी से भी रुकेगा नहीं। ऐसा इसीलिए क्योंकि नेतन्याहू ने एक बार फिर से यह साफ किया है कि उनकी सेना का लेबनान में ऑपरेशन हिजबुल्लाह के तहत सफाई का काम जारी रहेगा।

अमेरिका और ईरान में शांति वार्ता के बीच इजराइल ने लेबनान में जंग का नया मोर्चा खोल दिया है। इजराइल ने सी स्क्वायर के बीच दक्षिणी लेबनान में यहां तक हमला किया है। इजरायली सेना ने अपनी सीमा से 10 किमी दूर हमला करके हिजबुल्लाह को बड़ी चोट दी है। उसके अंडर ग्राउंड सैन्य ठिकाने को ब्लास्ट करके उड़ा दिया है। इजराइल के बारूदी तेवर महायुद्ध का बड़ा डेंजर नेतन्याहू ने दम दिखाया पाताल लोक को उड़ाया हिजबुल्लाह पर बमबारी तबाही जारी। आईडीएफ के जवान चुन-चुन कर हिजबुल्लाह के लड़ाकों को ठिकाने लगा रहे हैं। यह वीडियो आईडीएफ ने ही जारी किया है। इसमें एक हिजबुल्लाह फाइटर को बम से उड़ाते हुए दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि हिजबुल्लाह के इस लड़ाके ने गुरुवार रात दक्षिणी लेबनान में एक सैनिक की हत्या की थी। इजराइली सेना के इस एक्शन से हिजबुल्लाह भड़का हुआ है। उसने इजराइल पर सीज पर तोड़ने का आरोप लगाते हुए पलटवार की धमकी दी है। इस बीच आईडीएफ ने एंटी टैंक विस्फोटक से लैस हिजबुल्लाह ड्रोन के हमले में चार टैंक क्रू के मारे जाने की पुष्टि की है। कहा जा रहा है कि इस हमले में हिजबुल्लाह ने फाइबर ऑप्टिक ड्रोन का इस्तेमाल किया जिसका तोड़ इज़राइल भी अब तक नहीं निकाल पाया है। हिजबुल्लाह के समर्थन में अब ईरान भी खुलकर उतर आया है। ईरान ने अमेरिका को समझौते की शर्तें और लेबनान में युद्ध विराम लागू करने का वादा याद दिलाया है।

वृक्षारोपण महायज्ञ 2026-'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

दृ हरित भविष्य की ओर एक सशक्त कदम

लखनऊः प्रकृति मानव जीवन का आधार है। स्वच्छ वायु, शुद्ध जल, उपजाऊ भूमि और संतुलित जलवायु हमें प्रकृति से ही प्राप्त होती है। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और वनों की कटाई जैसी चुनौतियों ने पर्यावरण संरक्षण को अत्यंत आवश्यक बना दिया है। ऐसे समय में वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने का माध्यम बन गया है। इसी उद्देश्य को लेकर उत्तर प्रदेश वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा 76वें वन महोत्सव के अवसर पर 'वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 दृ एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत इस वर्ष 35 करोड़ पौधे 5.25 लाख चिन्हित स्थलों पर रोपित किये जा रहे है। 1900 से अधिक पौधशालाओं में विकसित किये गये कुल 52.44 करोड़ पौधे मौजूद है। यह अभियान केवल वृक्ष लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे जनभागीदारी के माध्यम से एक व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए हरित उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लिया गया है।

अभियान का उद्देश्य 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का मूल उद्देश्य लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करना और उन्हें प्रकृति संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। माँ जीवन का प्रथम आधार होती है। जिस प्रकार माँ हमें स्नेह, सुरक्षा और जीवन प्रदान करती है, उसी प्रकार वृक्ष भी मानव जीवन को संरक्षण और पोषण प्रदान करते हैं। इस भावनात्मक संदेश के माध्यम से लोगों को अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का लक्ष्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित करना है। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने लगाए गए पौधे को अपनी जिम्मेदारी समझेगा, तभी वृक्षारोपण अभियान वास्तविक सफलता प्राप्त कर सकेगा।

वन महोत्सव और वृक्षारोपण का महत्व

भारत में वन महोत्सव की शुरुआत लोगों को वृक्षों के महत्व के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से की गई थी। वन महोत्सव के दौरान बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वृक्ष हमारे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है। इसके अतिरिक्त वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं, भूजल स्तर को बनाए रखते हैं और जैव विविधता के संरक्षण में सहायक होते हैं। आज विश्व जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाएँ

पर्यावरणीय असंतुलन के परिणाम हैं। ऐसे में वृक्षारोपण इन चुनौतियों से निपटने का सबसे प्रभावी और सरल उपाय माना जाता है।

प्रदूषण नियंत्रण में वृक्ष के महत्व पर जन जागरूकता

वृक्ष वायुमण्डल से हानिकारक गैसों को हटाकर, ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित कर, ग्रीन हाउस के प्रभाव को कम करने के साथ-साथ वायु की गुणवत्ता में सुधार करता है। पर्यावरण शुद्ध करने, धूल व तापमान नियंत्रण व ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण में वृक्ष प्रजातियों पीपल, बरगद, पाकड़, गूलर, नीम, आम, जामुन, महुआ, इमली, अमलतास, अशोक, सहजन आदि सहायक हैं। आज पूरा विश्व इस बात से अवगत है कि किसी स्थान पर वृक्षावरण बढ़कर वहाँ की मृदा व भू-जल स्तर में सुधार, आक्सीजन की प्रचुरता द्वारा वायु की शुद्धता आदि से उस स्थान के माईक्रो क्लाइमेट में सुधार हो जाता है।

आक्सीजन टैंकः- एक वृक्ष प्रतिवर्ष औसतन 260 पाउण्ड अथवा 82,420 लीटर आक्सीजन का उत्पादन करता है। एक व्यक्ति को प्रतिदिन 550 लीटर आक्सीजन की आवश्यकता रहती है। वृक्षारोपण जन आन्दोलन 2026 में प्रदेश में 35 करोड़ पौधा रोपण से भविष्य में स्थापित होने वाले वृक्ष लगभग 14.36 करोड़ नागरिकों की आक्सीजन आवश्यकता के लिये पर्याप्त है।

कार्बन सिंकः- वृक्ष कार्बन डाईआक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण शुद्ध करता है। वनावरण एवं वृक्षावरण कार्बन सिंक का कार्य करते हैं। एक परिपक्व वृक्ष प्रतिवर्ष 13 पाउण्ड कार्बन अवशोषित करता है। वर्षाकाल 2026 में प्रदेश में 35 करोड पौधा रोपण से स्थापित होने वाले वृक्षों द्वारा वर्ष 2030 तक लगभग 18.55 मिलियन टन कार्बन का अवशोषण होगा। वृक्षों द्वारा प्राप्त जीवनदायनी आक्सीजन के लिये हम सदैव ऋणी रहेंगे। यह आवश्यक है कि प्रदेश का प्रत्येक व्यक्ति पीपल, बरगद, पाकड़, नीम, सहित सभी प्रजातियों के पौधों का रोपण तथा वृक्ष के रूप में स्थापित होने तक उनका संरक्षण कर ऋण मुक्त हों। साथ ही, कार्बन अवशोषण में वृक्षों की भूमिका का जन मानस में प्रचार-प्रसार किया जाय। आज यह आवश्यक है कि मारल एथिक्स के साथ-साथ पर्यावरण नैतिकता (म्दअपतवदउमदजंस म्जीपबे) की भावना को जागृत कर आक्सीजन टैंक तथा कार्बन सिंक में वृक्षों के महत्व पर सभी को शिक्षित किया जाय।

हरित सारथी अभियान जन-जागरूकता का अभिनव प्रयास 'वृक्षारोपण महायज्ञ 2026' के अंतर्गत डिजिटल जन-जागरूकता कार्यक्रम 'हरित सारथी अभियान' प्रारंभ किया गया है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जागरूक नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के मिशन से जोड़ना है। अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के 75 जिलों से 76 हरित सारथियों का चयन किया जाएगा। ये चयनित हरित सारथी 1 जुलाई से 7 जुलाई तक अपने-अपने क्षेत्रों में वृक्षारोपण, जन-जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का नेतृत्व करेंगे। वे स्थानीय समुदायों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को जोड़कर वृक्षारोपण को जन आंदोलन का स्वरूप देंगे। हरित सारथी केवल वृक्ष लगाने का कार्य नहीं करेंगे, बल्कि लोगों को पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके समाधान के प्रति भी जागरूक करेंगे। इस प्रकार वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनेंगे। किसी भी सामाजिक परिवर्तन में युवाओं और विद्यार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए अभियान के अंतर्गत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए 'स्कूल ऑफ हरित सारथी सम्मान' कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षण संस्थानों को वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विद्यार्थी पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण कार्यक्रम और पर्यावरण जागरूकता रैलियों में भाग लेकर प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझेंगे। जब बच्चों और युवाओं में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी, तब भविष्य में वे जिम्मेदार नागरिक बनकर प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर सकेंगे। डिजिटल युग में सोशल मीडिया जन-जागरूकता का सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। इसी को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स के लिए विशेष सहभागिता अभियान शुरू किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण में नागरिकों की भूमिका

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें, तो देश में हरित क्षेत्र का विस्तार तेजी से हो सकता है। अपने घर, विद्यालय, कार्यालय, खेल और सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते है। इसके साथ ही जल संरक्षण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, ऊर्जा की बचत और स्वच्छता जैसे प्रयास भी पर्यावरण सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ''वृक्षारोपण महायज्ञ 2026-एक पेड़ माँ के नाम'' केवल एक पर्यावरण अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायक प्रयास है। यह पहल समाज के प्रत्येक वर्ग को एक साझा उद्देश्य से जोड़ती है।

सम्पर्क सूत्र- रवि यादव

यूपी का चुनावी मैदानः मुकाबला फिर से भाजपा बनाम सपा

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

उत्तर प्रदेश की सियासत का गणित पिछले 30 साल से लगभग तय है। यहाँ सत्ता की चाबी हमेशा दो बड़े खेमों के पास रही है। 2027 का विधानसभा चुनाव भी इसी स्क्रिप्ट पर आगे बढ़ता दिख रहा है। मैदान में कई दल हैं, पर असली सीधी टक्कर भाजपा बनाम सपा के बीच ही होगी। 2024 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में सपा ने भाजपा को पीछे छोड़ दिया था। प्रदेश में भाजपा को 33 जबकि सपा को 37 सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी। लेकिन यह संभव है कि विधानसभा का चुनावी गणित अलग हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में काफी लोकप्रिय हो चुके हैं खासकर अपने कड़े फैसले को लेकर। इसलिए विधानसभा चुनाव के गणित को अलग तरीकों से देखना होगा। भाजपाः 'डबल इंजन' से 'ट्रिपल अटैक' की तैयारी- भाजपा यूपी में 2017 और 2022 में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई। उसका कोर नैरेटिव 3 चीजों पर टिका हैः हिंदुत्व + विकासः अयोध्या में राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, प्रयागराज कुंभ को भाजपा अपनी उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है। साथ में एक्सप्रेसवे, मेट्रो, नोएडा फिल्म सिटी, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे विकास प्रोजेक्ट फ्रंट पर हैं। लॉ एंड ऑर्डरः 'माफिया राज खत्म' और 'बुलडोजर मॉडल' भाजपा का सबसे बड़ा चुनावी हथियार बना है। पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वांचल तक इसे कानून-व्यवस्था की गारंटी के रूप में बेचा जा रहा है।

केंद्र + राज्य का तालमेलः मोदी का चेहरा राष्ट्रीय स्तर पर और योगी का चेहरा राज्य स्तर पर। यह 'डबल इंजन' 2024 लोकसभा में कुछ सीटों पर झटका खाने के बाद भी संगठन के लिए सबसे बड़ा भरोसा है। भाजपा की चुनौतीः किसानों की नाराजगी, महंगाई, बेरोजगारी और आरक्षण जैसे मुद्दे। 2024 लोकसभा में पिछड़ा-दलित वोट में हुई सेंध को वापस लाना संगठन की प्राथमिकता है। सपाः 'पीडीए' फॉर्मूले से वापसी की कोशिश- अखिलेश यादव ने 2022 के बाद अपनी राजनीति को पूरी तरह रीसेट किया। सपा अब 'एम-वाई समीकरण' से आगे बढ़कर 'पीडीए' यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक के फॉर्मूले पर खेल रही है। सोशल इंजीनियरिंगः भाजपा के 'नॉन-यादव ओबीसी + नॉन-जाटव दलित' मॉडल को काटने के लिए सपा ने कुर्मी, निषाद, पाल, जाटव के अलावा मुस्लिम वोट को एकजुट करने की कोशिश की। 2024 लोकसभा में इसका असर दिखा भी।

रोजगार और महंगाईः पेपर लीक, अग्निवीर, बेरोजगारी और महंगाई को सपा मुख्य मुद्दा बना रही है। 'बेरोजगारी भत्ता' और पुरानी पेंशन बहाली जैसे वादे इसी दिशा में हैं। अखिलेश का सॉफ्ट हिंदुत्वः मंदिर जाने, कावड़ यात्रा, और समाजवादी पीडीए पंचायत से सपा उस 'तुष्टीकरण' के टैग को तोड़ने की कोशिश कर रही है जो उसे पहले घेरता था। **सपा की चुनौतीः** संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, परिवारवाद के आरोप से बचाना, और मुस्लिम+यादव के बाहर दूसरे पिछड़ों को स्थायी तौर पर जोड़ना।

बाकी दल कहाँ हैं? - बसपाः मायावती अभी भी दलित वोट की सबसे बड़ी ध्रुव हैं, पर 2022 और 2024 में उनका वोट बैंक खिसका। अगर वो अकेले लड़ती हैं तो वो भाजपा या सपा में से एक का नुकसान करेंगी, पर खुद सत्ता की रेस से बाहर दिख रही हैं। कांग्रेसः राहुल-प्रियंका के यूपी फोकस के बाद भी संगठन जमीन पर कमजोर है। वो कुछ सीटों पर सपा को फायदा या नुकसान दे सकती है, पर मुख्य मुकाबला नहीं। आरएलडी + अन्यः जयंत चौधरी एनडीए में हैं। निषाद पार्टी, अपना दल भाजपा के साथ। ओम प्रकाश राजभर भी भाजपा के साथ। ये सब वोट कटवा या वोट ट्रांसफर का काम करेंगे, पर फ्रेम भाजपा 1ह्य सपा ही रहेगा। तो फैसला क्या होगा? यूपी में चुनाव हमेशा जाति, धर्म, विकास और कानून-व्यवस्था के मिश्रण से तय होता है। 2027 में भी फ्रेम यही रहेगा।

भाजपा का दांवः हिंदुत्व + विकास + लॉ एंड ऑर्डर + मोदी-योगी का डबल चेहरा। सपा का दांव : पीडीए एकता + बेरोजगारी-महंगाई + 2024 की मोमेंटम। बसपा का वोट जिस तरफ शिफ्ट हुआ, और ब्राह्मण-ठाकुर-बनिया बनाम ओबी सी -दलित-मुस्लिम का ध्रुवीकरण जिस हद तक हुआ, उसी पर सीटों का गणित बनेगा। जमीन पर चाहे जितने दल पोस्टर लगाएं, वोटर के दिमाग में लड़ाई दो ही खेमों के बीच है। एक तरफ योगी-मोदी की भाजपा, दूसरी तरफ अखिलेश की सपा। यूपी 2027 = भाजपा 1ह्य सपा। बाकी सब असर डालने वाले खिलाड़ी हैं, मुख्य खिलाड़ी ये दो ही हैं।

शासन की नीतियों से मीरजापुर में औद्योगिक सुविधाओं को मिली बढ़त

लखनऊः उत्तर प्रदेश का मीरजापुर जनपद जितना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक रूप से समृद्ध रहा है, उतनी ही इसकी पहचान वैश्विक स्तर पर हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के एक प्रमुख केंद्र के रूप में रही है। विंध्याचल की पहाड़ियों और मां गंगा के आंचल में बसे इस क्षेत्र ने सदियों से अपनी पारंपरिक कला और शिल्प के दम पर दुनिया भर में नाम कमाया है। हालांकि, पारंपरिक उद्योगों की अपनी सीमाएं होती हैं और बदलते समय के साथ युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने के लिए यहाँ विविधीकरण की सख्त आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी आवश्यकता को भांपते हुए वर्तमान प्रदेश सरकार ने मीरजापुर को एक नए सांचे में ढालने की योजना को साकार किया। आज यह जनपद पारंपरिक कला संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक औद्योगिक हब बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। शासन की नीतियों और रणनीतिक दूरदर्शिता के चलते पिछड़े जिलों की श्रेणी से निकलकर मीरजापुर अब उत्तर प्रदेश के सबसे उभरते हुए औद्योगिक केंद्रों में शुमार होने की दिशा में अग्रसर है। यह बदलाव न केवल इस क्षेत्र की भौगोलिक और आर्थिक तस्वीर को बदल रहा है, बल्कि आने वाले समय में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में इस जनपद की हिस्सेदारी को भी कई गुना बढ़ाने का काम करेगा। इस नई औद्योगिक क्रांति की नींव के रूप में मीरजापुर में दो बड़े निजी औद्योगिक पार्कों को विकसित करने की मंजूरी दी गई है, जो क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखते हैं। शासन द्वारा स्वीकृत इन पार्कों का निर्माण सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम टांगा और मड़िहान के देवरीकलां गांव में होने जा रहा है। भूमि की उपलब्धता और भौगोलिक कनेक्टिविटी के लिहाज से इन दोनों स्थानों का चयन बेहद रणनीतिक है। टांगा में लगभग ग्यारह एकड़ से अधिक की भूमि पर आधुनिक सुख-सुविधाओं से लैस पार्क का विकास किया जाना निश्चित किया गया है, वहीं दूसरी तरफ मड़िहान के देवरीकलां में बारह एकड़ से ज्यादा की विस्तृत भूमि पर उद्योगों को स्थापित करने के लिए ढांचागत विकास किया जाएगा। निजी निवेश को प्रोत्साहित करने और निवेशकों के हौसले को बुलंद करने के लिए प्रशासन ने बेहद उदार रुख अपनाते हुए मात्र एक प्रतिशत की साधारण ब्याज दर पर भारी-भरकम ऋण की संस्तुति दी है। वित्तीय प्रोत्साहन के तहत टांगा के विकासकर्ताओं के लिए पांच करोड़ पचास लाख रुपये से अधिक और देवरीकलां के लिए छह करोड़ एक लाख रुपये से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया है। इतनी रियायती दरों पर पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन का इस क्षेत्र के विकास को लेकर प्रतिबद्धता का परिचायक है।

औद्योगिक बुनियादी ढांचे की बात करें तो इन पार्कों की योजना अत्यंत सुनियोजित और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। टांगा में जहां इक्कीस औद्योगिक भूखंडों का निर्माण किया जाएगा, वहीं देवरीकलां में चालीस भूखंडों पर विभिन्न प्रकार की औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी। इन भूखंडों का आवंटन इस तरह किया जाएगा कि लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्यमों को एक ही परिसर में फलने-फूलने का समान अवसर मिल सके। शासन की मंशा केवल कारखानों की स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि वह एक ऐसा संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना चाहता है जहां उद्योगपतियों को कदम-कदम पर प्रशासनिक बाधाओं का सामना न करना पड़े। यही कारण है कि इन पार्कों के भीतर मैन्युफैक्चरिंग जोन के साथ-साथ बिजनेस सेंटर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, इन्क्यूबेशन सेंटर और आधुनिक संचार प्रणालियों जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही वहां काम करने वाले श्रमिकों और अधिकारियों के उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था भी पार्क परिसर के भीतर ही की जाएगी। यह एकीकृत ढांचा न केवल उत्पादकता को बढ़ाएगा बल्कि मीरजापुर को राष्ट्रीय स्तर पर एक सुगम निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

किसी भी क्षेत्र में औद्योगिक विकास की गति इस बात पर निर्भर करती है कि वहां के नियम और कानून निवेशकों के लिए कितने अनुकूल हैं। पूर्व के समय में जटिल विनियामक ढांचे और कड़े मानकों के कारण निजी उद्यमी निवेश करने से कतराते थे, लेकिन वर्तमान प्रशासन ने इस समस्या का स्थाई समाधान निकालते हुए नियमों में व्यापक ढील दी है। उद्योगों की स्थापना के लिए सड़कों की चौड़ाई के मानकों में किया गया बदलाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। अब मात्र सात मीटर चौड़ी सड़कों के किनारे भी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को वैधानिक मान्यता दे दी गई है। इस सिंगल रिफॉर्म ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में औद्योगिक पार्कों के विकास का रास्ता पूरी तरह से साफ कर दिया है। इससे भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं कम हुई हैं और विकासकर्ताओं को कम लागत में बेहतर कनेक्टिविटी वाले भूखंड मिलने आसान हो गए हैं। नीतियों का यह सरलीकरण दर्शाता है कि शासन केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर बदलाव लाने के लिए कृतसंकल्पित है। इस सुगम नीतिगत माहौल का ही नतीजा है कि आज बड़े-बड़े ट्रस्ट और निजी कंपनियां मीरजापुर की ओर रुख कर रही हैं और अपना निवेश बढ़ाने को उत्सुक हैं।

इस औद्योगिक कायाकल्प का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव स्थानीय समाज और युवा पीढ़ी पर पड़ने वाला है। मीरजापुर और इसके आस-पास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार की तलाश में बड़े महानगरों की ओर पलायन करना पड़ता था, जिससे न केवल क्षेत्र की प्रतिभा बाहर चली जाती थी बल्कि परिवारों पर भी इसका गहरा सामाजिक व आर्थिक प्रभाव पड़ता था। इन दो निजी औद्योगिक पार्कों में स्थापित होने वाली कुल इकसठ औद्योगिक इकाइयों से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। स्थानीय युवाओं को उनके घर के पास ही तकनीकी, प्रबंधकीय और कुशल श्रम से जुड़े रोजगार मिल सकेंगे। इसके अलावा, जब ये पार्क पूरी तरह कार्यशील हो जाएंगे, तो इनके सहायक उद्योगों जैसे परिवहन, रसद, पैकेजिंग, कच्चा माल आपूर्ति और सेवा क्षेत्र में भी अभूतपूर्व तेजी आएगी, जिससे स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और छोटे दुकानदारों की आय में भारी वृद्धि होगी। युवाओं का यह आर्थिक सशक्तिकरण क्षेत्र से पलायन को रोकने में मील का पत्थर साबित होगा और मीरजापुर आत्मनिर्भरता के एक नए युग में प्रवेश करेगा।

आधुनिक दौर में औद्योगिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना एक बहुत बड़ी चुनौती है, और शासन इस पहलू के प्रति पूरी तरह सतर्क है। मीरजापुर के इन दोनों पार्कों को पूरी तरह से पर्यावरण-अनुकूल और 'ग्रीन इंडस्ट्रियल पार्क' की अवधारणा पर विकसित करने का निर्णय लिया गया है। उद्योगों से निकलने वाले कचरे के उचित निस्तारण के लिए साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्रों की योजना बनाई गई है, ताकि स्थानीय जल स्रोतों और उपजाऊ भूमि को प्रदूषित होने से बचाया जा सके। इसके साथ ही परिसरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और हरित पट्टियों का विकास अनिवार्य किया गया है। पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक तकनीक के इस बेहतरीन समन्वय से यह सुनिश्चित होगा कि आर्थिक तरक्की की कीमत प्रकृति को न चुकानी पड़े। संक्षेप में कहें तो, वित्तीय प्रोत्साहन, उदार प्रशासनिक नीतियों, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और पर्यावरणीय चेतना के समागम से मीरजापुर में जो औद्योगिक ताना-बाना बुना जा रहा है, वह आने वाले समय में पूरे उत्तर प्रदेश के लिए रोल मॉडल बनेगा। मीरजापुर अब केवल कालीन का शहर नहीं, बल्कि तरक्की और आधुनिकता की नई पहचान के साथ देश के औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित होने की दिशा में अग्रसर है।

जनपदः मीरजापुर

डबल सरप्राइज के साथ लौट रहा है रीचर, कब और कहां स्ट्रीम होगी सीरीज?

नई दिल्ली। ओटीटी की दुनिया की सबसे चर्चित वेब सीरीज के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें हॉलीवुड स्टार एलन रिचसन की रीचर का नाम जरूर शामिल होगा। अब तक रीचर के तीन सीजन आ चुके हैं और तीनों ने अपार सफलता हासिल की है। इस बीच मेकर्स की तरफ से रीचर सीजन 4 की रिलीज डेट का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। इसके साथ ही रीचर की लोकप्रिय किरदार और स्पाई एजेंट 'नीली' को लेकर बड़ा सरप्राइज दिया गया है।

कब आएगा रीचर चौथा सीजन

बीते साल 20 फरवरी को रीचर का तीसरा सीजन रिलीज किया गया था, जिसकी कहानी ऐसे मोड़ पर खत्म हुई थी कि चौथे सीजन के लिए फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ जाए। अब लगता है कि फैंस का इंतजार जल्द ही खत्म होने जा रहा हैं। क्योंकि खुद रीचर के लीड एक्टर एलन रिचसन द्वारा मंगलवार को रीचर सीजन 4 की ऑफिशियल रिलीज डेट अनाउंस की गई है। एलन ने सोशल मीडिया हैंडल पर रीचर का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है कि 12 अगस्त 2026 को रीचर 4 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर ऑनलाइन रिलीज किया जाएगा। इसके साथ ही इस बार दर्शकों का सीरीज

की मुख्य किरदार नीली का स्पिन ऑफ भी देखने को मिलेगा। जिसके तहत का पहला सीजन 16 सितंबर 2026 को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। बता दें कि रीचर में नीली की भूमिका मशहूर हॉलीवुड एक्ट्रेस मारिया स्टेन ने अदा की है। इस तरह से रीचर के मेकर्स ने फैंस को डबल सरप्राइज दिया है। इस अनाउंसमेंट के बाद रीचर और नीली सीरीज के लिए फैंस की एक्साइटमेंट लेवल काफी हाई हो गई है।

इंडिया में रीचर काफी क्रेज

हॉलीवुड फिल्में और वेब सीरीज को इंडियन ऑडियंस भी देखना पसंद करती है। रीचर भी उन चुनिंदा विदेशी सीरीज में से एक हैं, जो भारतीय दर्शक देखना पसंद करते हैं। एक स्पाई थ्रिलर के तौर पर रीचर ने अपनी सभी सीजन के दम पर इनका भरपूर मनोरंजन जो किया है।

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचें। परिवार में किसी शुभ समाचार से प्रसन्नता मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं।

वृषभ आज धैर्य और संयम से काम लेने की आवश्यकता है। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में लाभ के नए अवसर बनेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, खान-पान का ध्यान रखें। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

मिथुन दिन व्यस्त रहेगा, लेकिन मेहनत का पूरा फल मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। आर्थिक लाभ के योग हैं। मित्रों से सहयोग मिलेगा। यात्रा के दौरान सावधानी बरतें। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

कर्क आज परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति या सम्मान मिलने के संकेत हैं। निवेश सोच-समझकर करें। सेहत में सुधार रहेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है।

सिंह आज आत्मविश्वास के बल पर कठिन कार्य भी पूरे कर लेंगे। व्यापार में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

कन्या आज योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

तुला आज भाग्य का साथ मिलेगा। रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। व्यापार में विस्तार की योजना सफल हो सकती है। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक आज कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आएंगी, लेकिन सूझबूझ से उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में लाभ होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

धनु आज नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए दिन शुभ है। नौकरी और व्यापार दोनों में उन्नति के योग हैं। विदेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार में खुशहाली रहेगी।

मकर आज मेहनत के अनुरूप परिणाम मिलने में थोड़ा समय लग सकता है। धैर्य बनाए रखें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

कुंभ आज रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में लाभ और नौकरी में प्रशंसा मिलने के योग हैं। संतान पक्ष से सुखद समाचार मिल सकता है। मित्रों के साथ समय आनंददायक रहेगा।

मीन आज मानसिक शांति बनी रहेगी। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

अंधविश्वास, अज्ञान और कुप्रथाओं की जकड़न

जब विवेक सो जाता है तो समाज त्रासदी का शिकार बन जाता है

राजस्थान के फलोदी जिले के फतेहगढ़ गांव में घटित हृदयविदारक घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। एक किसान ने पहले अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या कर स्वयं भी आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार परिवार यह मान बैठा था कि महिला पर भूत-प्रेत का साया है और इसी कारण उसे तांत्रिक के पास ले जाया जा रहा था। वहीं जयपुर जिले में एक महिला और उसकी दो बेटियों के तालाब में मृत मिलने की घटना ने भी समाज को गहरे चिंतन के लिए विवश कर दिया। ये घटनाएँ केवल आपराधिक या पारिवारिक त्रासदी नहीं हैं, बल्कि उस अंधविश्वास, अज्ञान और अविवेक की भयावह तस्वीर हैं, जो आज भी समाज के अनेक हिस्सों में जड़ें जमाए हुए है। जब मनुष्य विवेक छोड़ देता है, तब वह स्वयं भी दुख पाता है और दूसरों के जीवन को भी संकट में डाल देता है।

समाज में व्याप्त अनेक कुप्रथाओं का मूल कारण अज्ञान ही है। दहेज, तिलक, मृत्यु-भोज, दिखावा, झूठी सामाजिक प्रतिष्ठा, टोना-टोटका, भूत-प्रेत और तांत्रिकों पर विश्वास जैसी प्रवृत्तियाँ मनुष्य को वास्तविक समाधान से दूर ले जाती हैं। जब किसी समस्या का वैज्ञानिक, चिकित्सकीय या तार्किक समाधान खोजने के बजाय उसे अलौकिक शक्तियों से जोड़ दिया जाता है, तब दुख और बढ़ जाता है। मानसिक बीमारी का उपचार डॉक्टर और मनोचिकित्सक कर सकते हैं, लेकिन यदि उसे भूत-प्रेत का प्रभाव मानकर तांत्रिकों के भरोसे छोड़ दिया जाए तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। फलोदी की घटना इसी मानसिकता की दुखद परिणति प्रतीत होती है। महापुरुषों और संतों ने सदैव कहा है कि अंधविश्वास का आधार ज्ञान नहीं, बल्कि भय और अज्ञान होता है। जब मनुष्य सोचने-समझने की शक्ति का उपयोग करना छोड़ देता है, तब वह हर उस बात पर विश्वास करने लगता है जिसका कोई प्रमाण नहीं होता। धीरे-धीरे वही बातें परंपरा बन जाती हैं और लोग बिना सोचे-समझे उनका पालन करने लगते हैं। समय के साथ उनका उद्देश्य समाप्त हो जाता है, लेकिन लोग उन्हें केवल इसलिए निभाते रहते हैं क्योंकि 'हमारे पूर्वज ऐसा करते थे।' यही स्थिति समाज को आगे बढ़ाने के बजाय पीछे धकेल देती है।

एक प्रेरक प्रसंग इस मानसिकता को स्पष्ट करता है। विवाह के समय किसी घर में बिल्ली रास्ते में आ गई तो उसे टोकरी के नीचे बंद कर दिया गया ताकि वह सामने न आए। वर्षों बाद उस परिवार की नई पीढ़ी ने इसे घर की परंपरा समझ लिया और विवाह के समय पहले बिल्ली पकड़कर लाने की जिद करने लगी। किसी ने यह जानने का प्रयास नहीं किया कि उस समय बिल्ली को बंद करने का वास्तविक कारण क्या था। यही अंधानुकरण है। जब किसी परंपरा का उद्देश्य समाप्त हो जाए और लोग केवल उसकी नकल करते रहें, तब वह कुप्रथा बन जाती है। समाज में देवी-देवताओं के नाम पर भी अनेक प्रकार के अंधविश्वास प्रचलित हैं। लोग बिना समझे विभिन्न प्रकार के कर्मकांड करते हैं और यह मान लेते हैं कि इससे उनके सभी दुख दूर हो जाएंगे। जबकि धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के भीतर सत्य, करुणा, संयम और विवेक का विकास करना है। यदि धर्म के नाम पर केवल बाहरी प्रदर्शन, डर और अंधविश्वास रह जाए तो वह धर्म नहीं, बल्कि उसकी विकृति बन जाता है। धर्म मनुष्य को स्वतंत्र विचार, नैतिकता और आत्मबल देता है, न कि भय और भ्रम।

इसी प्रकार दहेज और तिलक जैसी कुप्रथाएँ भी अज्ञान और सामाजिक दिखावे का परिणाम हैं। बेटी को अपनी इच्छा और सामर्थ्य के अनुसार देना अलग बात है, लेकिन उसे सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर लेन-देन की प्रतियोगिता बना देना घोर अन्याय है। इसी कारण अनेक परिवार आर्थिक रूप से टूट जाते हैं, बेटियों को अपमान सहना पड़ता है और कई बार उनकी जान तक चली जाती है। जिस परंपरा से हिंसा, अन्याय और पीड़ा बढ़े, उसे परंपरा नहीं बल्कि अभिशाप कहना अधिक उचित होगा।

मृत्यु-भोज और दिखावे की परंपरा भी इसी मानसिकता का उदाहरण है। किसी प्रियजन के निधन पर दुख स्वाभाविक है, लेकिन कृत्रिम रूप से रोने-पीटने का प्रदर्शन करना, आर्थिक बोझ उठाकर भोज देना या समाज के दबाव में अनावश्यक खर्च करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। मृत व्यक्ति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उसके आदर्शों को अपनाना और परिवार का सहारा बनना है, न कि दिखावे के लिए रस्में निभाना। आज भी अनेक परिवार सामाजिक दबाव के कारण कर्ज लेकर ऐसे आयोजन करते हैं और वर्षों तक उसका बोझ उठाते हैं। आज विज्ञान, शिक्षा और तकनीक के युग में भी यदि लोग मानसिक रोग को भूत-प्रेत समझेंगे, बीमारी का इलाज अस्पताल के बजाय तांत्रिकों से कराएंगे, या जीवन की हर समस्या का कारण अदृश्य शक्तियों को मानेंगे, तो ऐसी दुखद घटनाएँ बार-बार सामने आती रहेंगी। मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। परिवारों को चाहिए कि वे समय रहते विशेषज्ञ चिकित्सकों से सलाह लें, रोगी को सहानुभूति दें और वैज्ञानिक सोच अपनाएँ। अंधविश्वास किसी भी समस्या का समाधान नहीं देता, बल्कि उसे और जटिल बना देता है।

कुप्रथाओं का अंत केवल कानून से नहीं होगा। इसके लिए समाज में वैचारिक जागरण आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को पहले स्वयं बदलना होगा। माता-पिता अपने बच्चों को तर्क, विज्ञान और नैतिकता का संस्कार दें। विद्यालयों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिले। धार्मिक और सामाजिक नेतृत्व भी लोगों को अंधविश्वास से मुक्त करने का कार्य करे। जब व्यक्ति जागेगा तभी समाज जागेगा, और जब समाज जागेगा तभी ऐसी त्रासदियों पर रोक लग सकेगी।

फलोदी और जयपुर की घटनाएँ केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी हैं। यदि आज भी हम अंधविश्वास, अज्ञान और कुप्रथाओं से बाहर नहीं निकले, तो न जाने कितने परिवार इसी प्रकार बिखरते रहेंगे। समय की मांग है कि हम विवेक, शिक्षा और वैज्ञानिक सोच को अपनाएँ। परंपराओं का सम्मान अवश्य करें, लेकिन केवल उन्हीं परंपराओं का जो मानवता, करुणा और समाज के कल्याण को मजबूत करें। जो परंपराएँ भय, हिंसा, शोषण और अज्ञान को बढ़ावा देती हैं, उन्हें साहसपूर्वक त्याग देना ही सच्ची सामाजिक सेवा है। जब मनुष्य अपने भीतर ज्ञान का दीप जलाता है, तभी अंधविश्वास का अंधकार समाप्त होता है और तभी एक स्वस्थ, संवेदनशील तथा प्रगतिशील समाज का निर्माण संभव होता है।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

सीएचसी में प्रशिक्षण के दौरान युवती लापता, पिता ने दो युवकों पर अपहरण का आरोप लगाकर एफआईआर की मांग की

महराजगंज/रायबरेली। महराजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में प्रशिक्षण कर रही एक युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। युवती के पिता ने थाना महराजगंज में तहरीर देकर दो युवकों पर अपहरण का आरोप लगाया है और एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना महराजगंज क्षेत्र के ग्राम जरैला निवासी हरिकेश यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री अर्चना देवी 23 जून 2026 को महराजगंज सीएचसी में प्रशिक्षण के लिए गई थी। आरोप है कि उसी दिन सुबह करीब 11 बजे वह संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई। तहरीर में हरिकेश यादव ने नारेंदी का पुरवा, मजरे रुस्तमपुर (थाना मिल एरिया) निवासी मुकेश यादव और बृजेन्द्र यादव पर पुत्री के अपहरण का आरोप लगाते हुए दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज किए जाने की प्रक्रिया जारी थी। मामले में थाना प्रभारी जगदीश यादव ने बताया है कि मुकदमा दर्ज किया गया है जांच के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बिसवां क्षेत्र को देश की पहली रूरल फिल्म इंडस्ट्री के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा:-फिल्म निर्माता निशांत कौशिक

बिसवां (सीतापुर)। फिल्म निर्माता-निर्देशक निशांत कौशिक ने कहा कि बिसवां क्षेत्र को देश की पहली 'रूरल फिल्म इंडस्ट्री' के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल से क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को बड़े पर्दे पर पहचान मिलने के साथ रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। अर्जुनगढ़ कन्दुनी में शरद चौधरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में निशांत कौशिक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान उन्हें यहां फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं दिखाई दी हैं। प्राकृतिक लोकेशन, स्थानीय संस्कृति और स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा बिसवां को फिल्म शूटिंग के लिए बेहद उपयुक्त बनाती है। उन्होंने बताया कि आगामी दो से तीन माह के भीतर क्षेत्र में फिल्मों की शूटिंग शुरू करने की योजना है। उनके होम प्रोडक्शन के बैनर तले पूर्व में फिल्म 'कागज' की शूटिंग भी इस क्षेत्र में हो चुकी है। अब अन्य फिल्म निर्माताओं को भी बिसवां लाकर यहां फिल्म निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। निशांत कौशिक ने बताया कि अरिंजय फिल्म्स और निशांत कौशिक फिल्म्स के संयुक्त बैनर तले क्षेत्र में फिल्मों का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और अन्य युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में समाजसेवी शरद चौधरी, अरिंजय चौधरी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सूचना

मैं रविन्द्र कुमार यादव, पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद, निवासी ग्राम/पोस्ट- भोजपुर थारू, कोतवाली गैसड़ी, तहसील तुलसीपुर, जनपद बलरामपुर (उ.प्र.) का निवासी हूँ। मेरा हाईस्कूल का अंक पत्र और हाईस्कूल का प्रमाण पत्र (उत्तीर्ण वर्ष-2010, अनुक्रमांक-2302810, किसान इंटर कॉलेज, गनेशपुर) तथा इंटरमीडिएट का अंक पत्र सह प्रमाण पत्र (उत्तीर्ण वर्ष-2012, अनुक्रमांक-1694551, लोकमान्य तिलक इंटर कॉलेज, पचपेड़वा, तहसील तुलसीपुर, जनपद बलरामपुर) गैंसड़ी चौराहे के पास वास्तव में कही खो गया है , काफी खोजबीन के बाद भी उनका पता नहीं चल सका।

रविन्द्र कुमार यादव पुत्र -
श्री अयोध्या प्रसाद ग्राम/पोस्ट - भोजपुर थारू, कोतवाली गैसड़ीतहसील - तुलसीपुर, जनपद - बलरामपुर (उ.प्र.)मोबाइलः 9005736958

तेजाब पीड़ितों के सम्मानजनक जीवन की पहल

● एसिड अटैक सर्वाइवर की समग्र सहायता एवं पुनर्वास नीति-2026 का प्रस्ताव तैयार

चिकित्सा, शिक्षा, रोजगार, कानूनी सहायता और सामाजिक पुनर्स्थापन पर रहेगा विशेष फोकस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार के महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग द्वारा तेजाब हमले (एसिड अटैक) से प्रभावित सर्वाइवरों को सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ष्एसिड अटैक (तेजाब हमला) सर्वाइवर की समग्र सहायता एवं पुनर्वास नीति-2026 का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह नीति केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न रहकर सर्वाइवरों के संपूर्ण पुनर्वास को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पहल है। तेजाब हमला मानवता के विरुद्ध एक जघन्य अपराध है, जिसके कारण पीड़ित व्यक्ति को न केवल गंभीर शारीरिक क्षति का सामना करना पड़ता है, बल्कि मानसिक आघात, सामाजिक बहिष्कार, शिक्षा एवं रोजगार में कठिनाइयों तथा आर्थिक असुरक्षा जैसी अनेक चुनौतियों से भी जूझना पड़ता है। ऐसे में राज्य सरकार का प्रयास है कि सर्वाइवरों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर उपलब्ध कराया जाए। प्रस्तावित नीति के अंतर्गत तेजाब हमला सर्वाइवरों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं पुनर्निर्माण उपचार, दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग, मनोसामाजिक परामर्श, कानूनी सहायता, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की व्यापक व्यवस्था की गई है। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर सहायता सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने पर भी विशेष बल दिया गया है। यह नीति सर्वाइवर-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित होगी, जिसमें विभिन्न विभागों, संस्थाओं तथा हितधारकों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से एक प्रभावी कार्यप्रणाली विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य केवल पीड़ितों को सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाते हुए समाज में सम्मानजनक पुनर्स्थापन सुनिश्चित करना है। उत्तर प्रदेश सरकार का मानना है कि किसी भी सर्वाइवर का पुनर्वास केवल आर्थिक सहायता से संभव नहीं है, बल्कि उसे चिकित्सा, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और मानसिक संबल जैसे सभी आवश्यक आयामों में सहयोग प्रदान करना उतना ही आवश्यक है। इसी सोच के साथ तैयार की गई यह प्रस्तावित नीति तेजाब हमला सर्वाइवरों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग का यह प्रयास राज्य सरकार की संवेदनशील एवं समावेशी शासन व्यवस्था का परिचायक है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक सर्वाइवर को गरिमा, सुरक्षा, समान अवसर और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित करना है।

सम्पर्क सूत्र- लाल कमल

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने हेतु ग्रीन-फील्ड लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए 75 करोड़ रुपये जारी

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने हेतु प्रस्तावित ग्रीन-फील्ड लिंक एक्सप्रेस-वे परियोजना के निर्माण कार्यों को गति देने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में पचहत्तर करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी है। यह धनराशि कुल 200 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान में से स्वीकृत की गई है। शासन द्वारा यूपीडा को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किया जाए तथा किसी भी स्थिति में इसे अग्रिम रूप से आहरित कर बैंक अथवा अन्य खाते में एकमुश्त न रखा जाए। साथ ही परियोजना पर अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ करने से पूर्व सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी अनुमोदन सक्षम स्तर से नियमानुसार प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाएगा।

सम्पर्क सूत्र- सरिता वर्मा

बाढ़ सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: स्वतंत्र देव सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आज सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुख्यालय में प्रदेश की बाढ़ सुरक्षात्मक परियोजनाओं तथा जलभराव की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए संचालित नालों की सफाई के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं ने प्रस्तुतिकरण एवं वीडियो के माध्यम से अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित कार्यों की प्रगति से मंत्री जी को अवगत कराया। समीक्षा के दौरान जलशक्ति मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बाढ़ से बचाव के लिए संचालित प्रत्येक परियोजना निर्धारित समयसीमा एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि वर्षा के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव अथवा बाढ़ जैसी परिस्थितियों से आमजन को न्यूनतम कठिनाई हो और इसके लिए विभागीय अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश की अधिकांश बाढ़ सुरक्षात्मक परियोजनाओं के कार्य पूर्ण अथवा सुरक्षित स्तर तक पूर्ण किए जा चुके हैं। साथ ही, 30 जून तक निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नालों की सफाई का कार्य भी अधिकांश क्षेत्रों में पूरा कर लिया गया है। इस पर जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि जहां कार्य समय से पूरे हुए हैं, वहां उनकी गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाए ताकि वर्षा के दौरान उनका प्रभावी परिणाम दिखाई दे।स्वतंत्र देव सिंह ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जिन परियोजनाओं अथवा नालों की सफाई के कार्य अभी शेष हैं, उन्हें अगले एक सप्ताह के भीतर युद्धस्तर पर दिन-रात अभियान चलाकर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी स्वयं स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की नियमित निगरानी करें। जलशक्ति मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक क्षेत्रीय मुख्य अभियंता अपने क्षेत्र में कराए गए उत्कृष्ट, नवाचारपूर्ण एवं जनहितकारी कार्यों का विस्तृत संकलन तैयार कर विभागीय मुख्यालय को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिससे प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर कार्यप्रणालियों को अपनाया जा सके और विभाग की सकारात्मक उपलब्धियों से जनता को अवगत कराया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बाढ़ प्रबंधन एवं जल संसाधनों के सुदृढ़ विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विभाग का प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि सभी बाढ़ सुरक्षा तटबंध, सुरक्षात्मक संरचनाएं एवं जल निकासी व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से कार्यशील रहें, जिससे वर्षाकाल में जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

सम्पर्क सूत्र- इंजेश सिंह

राजकीय आईटीआई अलीगंज में मुख्यमंत्री मिशन रोजगार के तहत कैंपस ड्राइव का आयोजन

●लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के बाद 109 में से 45 अभ्यर्थियों का चयन, 13000 से 25000 रुपये मिलेगा वेतन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत मंगलवार को संस्थान परिसर में कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में डीसीएम श्रीराम शुगर, हरदोई में ट्रेनी, डेसकॉन इंफ्रा लि., लखनऊ में अप्रेंटिस, एम.एच. सलूशन में सोलर साइट इंजीनियर तथा एयरटेल में विभिन्न पदों हेतु चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। प्रधानाचार्य ने कंपनी के प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को चयनित करने के लिए कहा तथा अभ्यर्थियों को चयन के उपरांत ज्वाइन करने के लिए प्रेरित भी किया। प्लेसमेंट ऑफिसर एम.ए. खाँ ने बताया कि कैंपस ड्राइव में कुल 109 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के उपरांत कुल 45 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 13000/- रुपये से 25000/- रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। रोजगार मेले को सफल बनाने में अनुदेशक मकबूल कादिर, जेड रहमान तथा ग्रे सिम लर्निंग्स फाउंडेशन के स्टाफ ने सहयोग किया।

सम्पर्क सूत्र- धर्मवीर खरे

बाबा साहेब का अस्थिकलश सुरक्षित,अस्थि कलश स्थानांतरण संबंधी खबरें भ्रामक एवं तथ्यहीन

● बाबा साहेब की विरासत के संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध-जयवीर सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के अस्थिकलश को लेकर विभिन्न माध्यमों में प्रसारित हो रही चर्चाओं के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विधानभवन के समक्ष स्थित आम्बेडकर महासभा परिसर में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के अस्थिकलश के संबंध में संस्कृति विभाग अथवा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसी भी प्रकार का स्थानांतरण संबंधी निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्थिकलश अपने वर्तमान स्थान पर पूरी गरिमा के साथ यथावत सुरक्षित है और इसे स्थानांतरित किए जाने संबंधी समाचार पूरी तरह भ्रामक एवं तथ्यहीन हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि सरकार का पूरा ध्यान भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की स्मृतियों, विचारों और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन पर केंद्रित है। इसी उद्देश्य से लखनऊ स्थित भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, ऐशबाग का चरणबद्ध तरीके से विकास कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार बाबा साहेब से जुड़े सभी स्थलों को गरिमापूर्ण स्वरूप देने और उन्हें सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ऐशबाग में निर्माणाधीन लगभग 16.20 करोड़ रुपये की लागत से स्मारक परिसर के बाह्य विकास, फसाड और हॉर्टीकल्चर से जुड़े कार्य तेजी से चल रहे हैं। परियोजना की भौतिक प्रगति करीब 85 प्रतिशत हो चुकी है। बाउंड्रीवाल, स्टोन क्लैडिंग, तीन गेटों एवं तीन गार्ड रूम के स्ट्रक्चर, तोरण द्वार तथा प्रतिमा के पैडेस्टल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। मुख्य प्रवेश द्वार का अधिकांश कार्य भी पूर्ण हो गया है, जबकि आंतरिक मार्ग, ड्रेनेज सिस्टम, म्यूरल वर्क और उद्यान विकास के शेष कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसके अतिरिक्त लगभग 43.69 करोड़ रुपये की लागत से भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के मुख्य निर्माण कार्य पहले ही पूर्ण किए जा चुके हैं। इसके अंतर्गत कार्यालय भवन, बेसमेंट, प्रतिमा हेतु फाउंडेशन, सब-स्टेशन, पम्प रूम, गार्ड रूम, आंतरिक सड़क, सीवर लाइन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। वहीं लगभग 44.43 करोड़ रुपये की लागत से 500 सीट क्षमता वाले अत्याधुनिक प्रेक्षागृह एवं ऑडिटोरियम की आंतरिक और बाहरी साज-सज्जा का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना की लगभग 90 प्रतिशत भौतिक प्रगति हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के संग्रहालय के आंतरिक विकास कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं। यह कार्य उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन द्वारा कराया गया, जिसकी 100 प्रतिशत भौतिक प्रगति दर्ज की गई है। इस परियोजना पर लगभग 3.24 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं, जिससे संग्रहालय को आधुनिक एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। इस परियोजना को 31 जुलाई 2026 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर देश के संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के

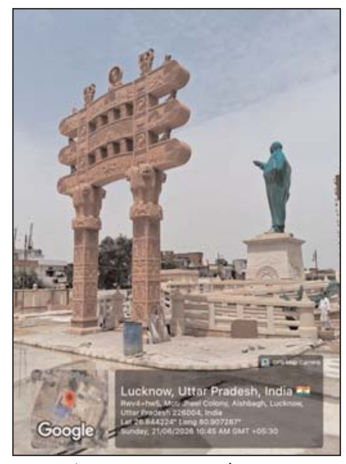

प्रतीक हैं। उनके सम्मान और स्मृतियों से जुड़े प्रत्येक प्रकरण में प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अस्थिकलश के संबंध में किसी भी प्रकार की अपुष्ट अथवा भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें। सरकार बाबा साहेब की विरासत के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के विकास कार्य भी निर्धारित योजना के अनुसार निरंतर जारी हैं।

सम्पर्क सूत्र- केवल

39,571 करोड़ निवेश से यूपी डिफेंस कॉरिडोर बना रक्षा विनिर्माण का हब

● 13,486 करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर, 9 विनिर्माण इकाइयां हुईं संचालित, 65 कंपनियों को भूमि आवंटन

कानपुर, झांसी और लखनऊ निवेश में अग्रणी, उत्तर प्रदेश बन रहा भारत का रक्षा विनिर्माण हब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः रक्षा विनिर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता और उत्तर प्रदेश के वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के विज़न को नई उड़ान दे रहा है उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा विकसित डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी)। वर्ष 2018 में स्थापित यह कॉरिडोर आज देश का सबसे बड़ा डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनकर उभरा है, जहां 39,571 करोड़ के निवेश प्रस्ताव भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यूपीडा की नवीनतम प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, कानपुर, झांसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा और चित्रकूट सहित छह रणनीतिक नोड्स में विकसित हो रहे इस कॉरिडोर ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। परियोजना के लिए अधिग्रहित 2,095 हेक्टेयर भूमि में से 1,141.79 हेक्टेयर भूमि उद्योगों को आवंटित की जा चुकी है। यूपीडीआईसी के मुख्य महाप्रबंधक कर्नल संजय सिंह ने बताया कि अब तक 65 कंपनियों को रक्षा एवं संबद्ध विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है, जो उत्तर प्रदेश के निवेश-अनुकूल औद्योगिक वातावरण में उद्योगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लगभग 13,486 करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं, जिनसे करीब 15,300 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। इससे राज्य की रक्षा विनिर्माण क्षमता को भी नई मजबूती मिलेगी। निवेश के मामले में कानपुर नोड सबसे आगे है, जहां सर्वाधिक 12,948 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके बाद झांसी (12,190 करोड़), लखनऊ (4,850.67 करोड़), अलीगढ़ (4,581 करोड़), चित्रकूट (4,392 करोड़) और आगरा (?607 करोड़) का स्थान है। औद्योगिक प्रगति की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि यह है कि वर्तमान में कानपुर, लखनऊ और अलीगढ़ में तीन-तीन फैक्ट्रियों सहित कुल नौ विनिर्माण इकाइयों में व्यावसायिक उत्पादन भी शुरू हो चुका है। कॉरिडोर की प्रमुख उपलब्धियों में अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा कानपुर में 1,500 करोड़ के निवेश से स्थापित देश के सबसे बड़े गोला-बारूद (अम्यूनिशन) निर्माण संयंत्र में व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो गया है। इसके अलावा, अलीगढ़ नोड में वेरीविन डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड ने 65 करोड़ के निवेश से छोटे हथियारों (स्मॉल आर्म्स) का उत्पादन शुरू किया है, जबकि नित्या क्रिएशन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 12 करोड़ की लागत से प्रिसिजन आर्म्स कंपोनेंट्स और श्रीधा उद्योग ने 3.70 करोड़ के निवेश से प्रिसिजन कंपोनेंट्स का निर्माण प्रारंभ कर दिया है। वहीं, एमिटेक ने भी 330 करोड़ के बड़े निवेश के साथ अपना स्पेस पोर्ट स्टेशन सफलतापूर्वक संचालित कर राज्य के डिफेंस इकोसिस्टम में एक नया अध्याय जोड़ा है। जबकि लखनऊ उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी एवं एयरोस्पेस का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। यहां एरोलॉय टेक्नोलॉजीज ने 320 करोड़ के निवेश से टाइटेनियम कास्टिंग का उत्पादन शुरू किया है। वहीं ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने 300 करोड़ की लागत से स्थापित अपनी इकाई में ब्रह्मोस एनजी मिसाइल प्रणाली के उत्पादन एवं असेंबली का कार्य प्रारंभ कर दिया है। संकल्प सेफ्टी सॉल्यूशंस ने 14 करोड़ के निवेश से सुरक्षा उपकरण एवं विशेष वस्त्रों का निर्माण शुरू किया है। कानपुर में ए.आर. पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड ने 48 करोड़ के निवेश से बैलिस्टिक सामग्री और सुरक्षा उपकरणों का उत्पादन शुरू किया है, जबकि अधुनिक मैटेरियल्स एंड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड ने 38.58 करोड़ के निवेश से रक्षा क्षेत्र के लिए विशेष टेक्सटाइल का निर्माण प्रारंभ किया है। मजबूत निवेश, तीव्र गति से विकसित हो रहे औद्योगिक बुनियादी ढांचे तथा विभिन्न नोड्स पर उत्पादन शुरू होने के साथ उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर देश के सामरिक विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह कॉरिडोर रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और उत्तर प्रदेश की औद्योगिक प्रगति को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सम्पर्क सूत्र- सरिता वर्मा

5 वर्षों की उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवा के बाद वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हरेन्द्र सिंह को भावभीनी विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास खंड मोहनलालगंज सभागार में मंगलवार को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हरेन्द्र सिंह के सेवानिवृत्ति समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह भावनात्मक माहौल के बीच संपन्न हुआ, जहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा गणमान्य नागरिकों ने उन्हें पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना की। बीडीओ शिवकुमार ने बताया कि हरेन्द्र सिंह ने अपने पूरे सेवा काल में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन किया। उनका सहज, सरल और सहयोगात्मक व्यवहार सदैव अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन के बीच सम्मान का विषय रहा। उनके कार्यकाल में कार्यालय की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने तथा विकास कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। समारोह में उपस्थित ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला, अध्यक्ष प्रधान संघ देवेन्द्र सिंह, निगोहा व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित, खंड विकास अधिकारी शिव कुमार, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अशोक यादव, प्रधान अभय कांत दीक्षित, सूर्य कुमार द्विवेदी, अभिषेक दीक्षित, शैलेंद्र पाल, सुरेश कुमार सहित अन्य वक्ताओं ने उनके प्रशासनिक अनुभव, कार्यशैली और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। कार्यालय परिवार की ओर से मोहित दीक्षित, अभिषेक सिंह, शुभम मिश्रा, संदीप यादव, शशांक शुक्ला सहित समस्त कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम के अंत में हरेन्द्र सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा काल के दौरान मिले सहयोग और स्नेह को वह जीवनभर नहीं भूलेंगे तथा अपने अनुभवों और मधुर स्मृतियों को हमेशा संजोकर रखेंगे।

अनियंत्रित बोलेरो ने स्कूटी सवार दंपति को कुचला, पति की मौत, पत्नी गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र में रायबरेली रोड पर आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के निकट सोमवार देर शाम तेज रफ्तार बोलेरो ने स्कूटी सवार दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में पति की मौत हो गई जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बोलेरो को कब्जे में ले लिया गया है। चालक मौके से फरार हो गया। सरेनी थाना क्षेत्र के छतौना गांव निवासी नियाज खान (45) पुत्र सज्जाद अपनी पत्नी चांदनी बानो के साथ स्कूटी से रायबरेली जा रहे थे। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के पास सामने से आई तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने नियाज खान को मृत घोषित कर दिया। चांदनी बानो की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। परिजनों ने बताया कि नियाज खान विदेश में सिलाई का काम करते थे। वह एक माह पहले ही घर लौटे थे। परिवार रायबरेली में रहता है। मुहर्रम के अवसर पर वह पत्नी के

साथ गांव आए थे। वापस लौटते समय हादसा हो गया। नियाज की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बड़े बेटे आकिब, छोटे बेटे फहद और बेटी रक्शी खान का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शो को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वाहन को कब्जे में लिया गया है।

सार्वजनिक नाली से हटा अतिक्रमण एक दर्जन परिवारों को मिली राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। तहसील क्षेत्र के करौंधिया मजरे रजौली गांव में मंगलवार को प्रशासन ने सार्वजनिक नाली पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवा दिया। इससे गांव के एक दर्जन से अधिक परिवारों की जल निकासी की समस्या दूर हो गई। ग्रामीण अर्चना पत्नी लक्ष्मण सहित कई लोगों ने जिलाधिकारी को सामूहिक शिकायती पत्र देकर बताया था कि गांव के कुछ लोगों ने निर्माण कार्य के दौरान सार्वजनिक नाली को पाट दिया था। इससे बारिश और घरों का पानी निकलना बंद हो गया था। ग्रामीण लंबे समय से परेशानी झेल रहे थे। शिकायत के बाद जिलाधिकारी के

निर्देश पर प्रशासन ने कार्रवाई की। नायब तहसीलदार सरेनी के नेतृत्व में राजस्व टीम मौके पर पहुंची। राजस्व निरीक्षक रामशरण, लेखपाल मोहित चौधरी, अमर बहादुर, दीपक कुमार और सौरभ वर्मा की मौजूदगी में नाली से अवैध अतिक्रमण हटवाया गया।तहसीलदार शिवम राठौड़ ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर सार्वजनिक नाली को अतिक्रमण मुक्त करा दिया गया है। अब गांव में पानी का निकास सुचारु हो सकेगा।

तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को मारी जोरदार टक्कर छः लोग गंभीर रूप से घायल

सीतापुर- बिसवां- लहरपुर मार्ग पर मारुति प्लाईवुड फैक्ट्री के निकट मंगलवार को तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से एक ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने परसेवरा तालगांव निवासी अशफाक पुत्र इश्तियाक, मिलकापुर थाना लहरपुर निवासी कमलेश पुत्र सूर्य प्रताप, हीरापुर तालगांव निवासी प्रमिला पत्नी प्रमोद, हीरापुर तालगांव निवासी हरदेई पत्नी हरकिशन तथा तीरथपुर लहरपुर निवासी गीता देवी पत्नी कमलेश वर्मा को जिला अस्पताल सीतापुर रेफर कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

चाय की चुस्की बनी सुराग, दिल्ली से लापता दिव्यांग युवक को पुलिस ने चंद घंटों में खोजा

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए लापता हुए 18 वर्षीय दिव्यांग को कुछ ही घंटों में सकुशल तलाश कर उसके पिता को सौंप दिया। घटना 27 और 28 जून की दरमियानी रात की है। दिलचस्प बात यह है कि लापता किशोर चाय पीने का शौकीन है, इसके चलते पुलिस को उसकी तलाश करने में मदद मिली। सेक्टर-6 निवासी एक व्यक्ति आधी रात को अपने लापता दिव्यांग बेटे की तलाश में सेक्टर-10 पुलिस चौकी पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका 18 वर्षीय बेटा घर से लापता हो गया है। पिता ने बच्चे का हुलिया, उसके कपड़ों का विवरण और अन्य आवश्यक जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए द्वारका साउथ के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश कुमार साह और एसीपी किशोर कुमार रेवाला के निर्देशन में सेक्टर-10 चौकी प्रभारी एसआई रजत मलिक, हेड कॉन्स्टेबल मुकेश कुमार कुलदीप तथा हेड कॉन्स्टेबल नरेंद्र अहलावत की टीम गठित की गई। किशोर को चाय पीना बहुत पसंद है और जब भी वह बाहर निकलता, तो अक्सर सड़क किनारे चाय की दुकानों पर रुकता था। पिता द्वारा बताई गई इस जानकारी से युवक खोजने में आसानी हुई। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से आसपास के रिहायशी इलाकों, पार्कों, बस स्टैंड, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक खोज अभियान चलाया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने कुछ ही घंटों में दिव्यांग बच्चे को सकुशल ढूंढ़ लिया। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं और सत्यापन पूरा करने के बाद उसे उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बेटे को सुरक्षित वापस पाकर पिता ने द्वारका जिला पुलिस का आभार व्यक्त किया।

गाजियाबाद में ई-रिक्शा बने ट्रैफिक जाम की वजह, शहर में बिगड़ी यातायात व्यवस्था

गाजियाबाद। शहर में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या अब ट्रैफिक व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। रेलवे स्टेशन, पुराना बस अड्डा, नया बस अड्डा, मोहननगर, राजनगर एक्सटेंशन, गौर सिटी कट और वैशाली मेट्रो स्टेशन समेत कई प्रमुख स्थानों पर सड़क किनारे अनौपचारिक ई-रिक्शा स्टैंड बन गए हैं। चालक जहां जगह मिलती है, वहीं वाहन खड़ा कर सवारियां भरने लगते हैं। इससे मुख्य सड़कों की एक लेन घिर जाती है और वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। ट्रैफिक पुलिस समय-समय पर अभियान चलाकर चालान करती है, लेकिन कार्रवाई कुछ दिनों बाद ठंडी पड़ जाती है और हालात फिर पहले जैसे हो जाते हैं। यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए सितंबर 2025 में 26 हजार से ज्यादा ई-रिक्शा पर जोनवार कलर कोड और नंबर स्टीकर लगाने की व्यवस्था शुरू की गई थी। नगर जोन के लिए लाल, ट्रांस हिंडन के लिए हरा, साहिबाबाद के लिए नीला, लोनी के लिए पीला और मोदीनगर के लिए नारंगी रंग निर्धारित किया गया था, ताकि वाहन की पहचान तुरंत हो सके। हालांकि अभियान अधूरा रह गया और आज भी शहर में बड़ी संख्या में बिना स्टीकर वाले ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। अतिव्यस्त अंबेडकर रोड पर तुराबनगर कट के बाहर अक्सर वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ता है। क्योंकि तुराबनगर के बाहर सवारी के इंतजार में खड़े ई रिक्शा चालक सड़क घेरे रहते हैं। बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों और अन्य वाहन चालकों को रोजाना जाम का सामना करना पड़ता है।

1 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में बिल्डर समेत 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

गाजियाबाद। गाजियाबाद में राजनगर एक्सटेंशन में निवेशकों से ठगी के मामले में राइट अर्थ इन्फ्रा के निर्माणकर्ता पर एक और केस दर्ज किया गया है। राजनगर एक्सटेंशन निवासी निवेशक की शिकायत पर 1.15 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बिल्डर समेत सात लोगों के खिलाफ नंदग्राम थाने में केस दर्ज किया गया है। केडीपी ग्रैंड सवाना सोसाइटी निवासी अर्पित त्यागी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह राइट अर्थ इन्फ्रा कंपनी के मालिक वरुण मक्कड़ और सेल्स हेड नितिन शर्मा उर्फ दीपक शर्मा को पहले से जानते थे। नवंबर 2025 में कंपनी की ओर से राजनगर एक्सटेंशन स्थित प्रस्तावित आवासीय परियोजनाओं एलीट होम्स और मक्कड़ प्रथम में प्री-लांच आफर के तहत फ्लैट बुक कराने का प्रस्ताव दिया गया। छह माह बाद फ्लैट के दाम बढ़ने और बुक किए गए फ्लैट को बेचककंपनी के ब्रोशर, लेआउट और साइट दिखाकर जल्द निर्माण शुरू होने का दावा भी किया गया। पीड़ित का आरोप है कि 10 नवंबर 2025 से इसी वर्ष 30 मई के बीच परिवार के सदस्यों के माध्यम से कंपनी के खातों और नकद मिलाकर कुल 1.15 करोड़ रुपये जमा करा दिए। इसके बदले तीन फ्लैटों के एग्रीमेंट और अन्य दस्तावेज दिए गए।र अच्छा मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया।

वियतनाम के रेस्टोरेंट में भारतीय फैमिली का बवाल

● ओनर ने उठाए सिविक सेंस पर सवाल... फिर दिखाई दरियादिली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वियतनाम में एक भारतीय परिवार पर आरोप लगा है कि उसने एक रेस्टोरेंट में जमकर उत्पात मचाया है. इस पूरे वाकये का एक CCTV फुटेज भी सामने आया, जिसे खुद रेस्टोरेंट मालिक की तरफ से जारी किया गया था. यह रेस्टोरेंट वियतनाम हो ची मिन्ह सिटी के टूरिस्ट हब में मौजूद है और यह मशहूर इंडियन रेस्टोरेंट 'बॉम्बे बाइट्स' है। इसके मैनेजमेंट ने आरोप लगाया है कि यहां घूमने आए एक भारतीय परिवार ने रेस्टोरेंट की प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया और यहां काम करके वाले कर्मचारियों को धमकी भी. रेस्टोरेंट का आरोप है कि यह झगड़ा तब शुरू हुआ जब स्टाफ ने माता-पिता से कहा कि वे अपने बच्चों को डाइनिंग एरिया में चीजें फेंकने से रोकें. अच्छी बात रही कि आरोपी परिवार ने वीडियो वायरल होने के बाद रेस्टोरेंट के मैनेजमेंट से माफी मांगी, जिसके बाद ओनर ने दरियादिली दिखाते हुए यह वीडियो डिलीट कर दिया।

CCTV में क्या दिखा?

रेस्टोरेंट की ओनर एश्वर्या खन्ना सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह CCTV फुटेज जारी किया था, जिसे अब आरोपी परिवार के माफी मांगने के बाद डिलीट कर दिया गया है. इसमें दिख रहा है कि दो कपल अपने बच्चों के साथ रेस्टोरेंट में हैं. उनमें से एक पुरुष कर्मचारियों से बहुत गुस्से में बहस कर रहा है, सामान उठाकर फेंक रहा है. उसके साथ दो बच्चे भी ठीक यही कर रहे हैं. इस रेस्टोरेंट के एक शेफ ने इसी पोस्ट के कमेंट में दावा किया है कि आरोपी बहुत ज्यादा नशे में लग रहे थे. उनके बच्चे रेस्टोरेंट में चम्मच, टिश्यू, टेबल क्लॉथ और मेनू कार्ड भी इधर-उधर फेंक रहे थे. स्टाफ की ओर से कथित तौर पर हमने माता-पिता से कहा गया कि वे बच्चों का ध्यान रखे, उन्हें ऐसा करने से रोके. लेकिन बात समझने के बजाय, वे बदतमीजी से पेश आए और धमकी भी दी कि वे पूरा रेस्टोरेंट खरीदकर उसे नष्ट करवा सकते हैं।

रेस्टोरेंट ओनर का आरोप

रेस्टोरेंट की ओनर ने इस इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ कैप्शन में अपना पक्षा रखा है. उन्होंने लिखा, 'सिविक सेंस का इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि आप कहां से आए हैं, आपके कितने फॉलोअर्स हैं या आप खुद को क्या समझते हैं. यह इस बारे में है कि आप किसी कॉमन प्लेस पर कैसा व्यवहार करते हैं. आज हमारे रेस्टोरेंट 'बॉम्बे बाइट्स ॥ष्टरू' में एक ऐसी स्थिति पैदा हुई जिसका सामना किसी भी रेस्टोरेंट को नहीं करना चाहिए. एक परिवार से विनम्र होकर कहा गया कि वे अपने बच्चे को डाइनिंग एरिया में टिशू पेपर फेंकने से रोकें. सहयोग करने के बजाय, मामला बिगड़ गया- प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया गया, स्टाफ का अपमान किया गया और 'इन्फ्लुएंसर' होने का दावा करके जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया गया। 'उन्होंने आगे लिखा, 'हम बिल्कुल साफ कहना चाहते हैं कि रेस्टोरेंट कोई खेल का मैदान नहीं है. हमारा स्टाफ गुस्सा खाने या हक जताने के लिए नहीं है. किसी का इन्फ्लुएंसर होना किसी को भी बुनियादी शिष्टाचार से ऊपर नहीं होता. सिविक सेंस का मतलब है बच्चों को जिम्मेदारी सिखाना, सार्वजनिक संपत्ति का सम्मान करना और यह समझना कि नियम इसलिए होते हैं ताकि हर कोई उस जगह का सुरक्षित और आराम से आनंद ले सके. जब इन मूल्यों को नजरअंदाज किया जाता है, तो इसका असर कर्मचारियों, दूसरे मेहमानों और पूरे बिजनेस पर पड़ता है. हम सभी बैकग्राउंड और संस्कृति के मेहमानों का स्वागत करते हैं लेकिन सम्मान जरूरी है. नुकसान, अव्यवस्था और डराने-धमकाने को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. मेहमाननवाज़ी हमारा काम है. बुनियादी शिष्टाचार हर किसी की जिम्मेदारी है. फिर वे गूगल रिव्यू पर जाकर कहते हैं कि हमने खराब सर्विस दी क्योंकि वे भारतीय थे। 'यहां एक बात और. एनडीटीवी रेस्टोरेंट की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकता. हम आरोपियों का पक्ष जानने की कोशिश कर रहे हैं. उनसे संपर्क होने और उनका पक्ष जानने के बाद इस स्टोरी को अपडेट किया जाएगा।

स्कूल बस पर अचानक आ गिरा पेड़, 1 छात्र की मौत

● मुंबई के चेंबूर इलाके में एक स्कूली बस पर अचानक पेड़ गिर गया, जिसमें एक 11 साल के छात्र की मौत हो गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई: महाराष्ट्र के मुंबई में एक बड़ा हादसा हो गया है, जहां एक स्कूल बस पर पेड़ गिर पड़ा. जिस समय ये पेड़ गिरा, उस वक्त बस में 12 स्कूली बच्चे सवार थे. बस तिलकनगर स्थित यूनिवर्सल स्कूल की थी. इस दुर्घटना में कई बच्चे घायल हो गए. वहीं, 11 साल के एक बच्चे की मौत हो गई है. छात्र का नाम विहान श्रीवास्तव था। जानकारी के मुताबिक, ये हादसा मुंबई के चेंबूर इलाके में दोपहर 2 बजकर 50 मिनट पर हुआ है. बस जब 11 नंबर रोड से गुजर रही थी, तभी उसके ऊपर अचानक पेड़ गिर पड़ा. इस दुर्घटना में 10 बच्चे घायल हो गए थे. इनमें से 5 छात्रों को जेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं. वहीं, 4 बच्चों को मामूली चोटें आई हैं. हालांकि, इस दुर्घटना में विहान श्रीवास्तव को गंभीर चोटें आई थीं और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के वक्त कई बच्चे अंदर ही थे. बस ड्राइवर, कंडक्टर और स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को जल्द से जल्द बाहर निकाला गया. सभी बच्चों को बस से बाहर निकाल लिया गया है, लेकिन एक छात्र पेड़ की चपेट में आ गया। चेंबूर के स्थानीय लोगों ने स्थानीय अधिकारियों को कई पत्र लिखकर पेड़ों की छंटाई या उन्हें हटाने की मांग की थी, इससे पहले भी यहां ऐसी ही एक घटना हो चुकी थी. हालांकि, कई पत्र लिखने के बावजूद क्च्रूष्ट ने कोई कार्रवाई नहीं की।

सिर्फ एक फोटो के आधार पर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

● 27.97 ग्राम चोरी का सोना बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- माननीय कमिश्नर पुलिस लुधियाना स्वपन शर्मा, आईपीएस। पीपीएस समीर वर्मा के निर्देशन में नगर में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान। , अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस जोन-1 एवं अनिल कुमार भनोत, पीपीएस। सहायक आयुक्त पुलिस केंद्रीय के पर्यवेक्षण में थाना अनुमंडल संख्या-1 की पुलिस ने हासिल की बड़ी सफलता। दिनांक 09.06.2026 को आत्म प्रकाश भसीन निवासी नेताजी नगर, लुधियाना की शिकायत पर धारा 305 बीएनएस के तहत मामला संख्या 90 दर्ज किया गया था। शिकायत के मुताबिक, एक अज्ञात व्यक्ति ग्राहक बनकर आभूषण स्टोर पर आया और सोने का सेट देखने के बहाने सोने का हार, एक जोड़ी झुमके और एक सोने का कांटे चुराकर फरार हो गया। निरीक्षक परमवीर सिंह, मुख्य अधिकारी पुलिस अनुमंडल संख्या-1 के पर्यवेक्षण में तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज व खुफिया जानकारी के सहयोग से मुहम्मद अफ़सर पुत्र मुहम्मद इक़बाल निवासी ग्राम बुंटन, शामली (मुज़फ्फरनगर), उत्तर प्रदेश को मनोनीत किया गया। बाद में विभिन्न पुलिस टीमों ने तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर 25.06.2026 को सलमान आवास, मोहब्बत स्कूल के पास, हजरत निजामुद्दीन पश्चिम, नई दिल्ली से आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि उसने मेरठ (उत्तर प्रदेश) में चोरी का सोना बेचा था। पुलिस टीम ने माननीय न्यायालय से तीन दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त करने के बाद मेरठ पर छापा मारा, जहा से 27.06.2026 का चोरी हुआ सोना बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच के दौरान यह भी पता चला कि अपराधी ने अन्य जगहों पर ऐसी ही घटनाएं की थी। अधिक पुलिस की रिमांड मिलने के बाद इस मामले में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

आनंद विहार-वैशाली मेट्रो रूट बाधित, मेट्रो स्टेशनों पर भारी भीड़

नई दिल्ली। ऑफिस से मेट्रो ट्रेन के माध्यम से घर जाने वालों को मंगलवार शाम परेशानी का सामना करना पड़ा। ब्लू लाइन मेट्रो में खराबी के कारण लोग काफी देर तक मेट्रो स्टेशन पर फंसे रहे। आनंद विहार से वैशाली तक मेट्रो सेवा रोक दी गई, जिससे यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई। परेशान यात्री इंटरनेट मीडिया पर नाराजगी जता रहे हैं। लगभग पांच बजे शाम से ब्लू लाइन पर आनंद विहार से वैशाली के बीच मेट्रो सेवा में परेशानी शुरू हो गई थी। इससे स्टेशनों पर लंबी लाइन लग गई। इंद्रप्रस्थ, यमुना पार सहित अन्य स्टेशनों पर भी वैशाली की तरफ आने-जाने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने शाम लगभग सवा पांच बजे एक्स पर पोस्ट कर आनंद विहार से वैशाली के बीच तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो सेवा में देरी होने की जानकारी दी।

उसके एक घंटे बाद ओएचई में खराबी आने के कारण इन दोनों स्टेशनों पर सेवा अस्थायी रूप से बंद कर दिए जाने की जानकारी दी गई। ब्लू लाइन गाजियाबाद और नोएडा को द्वारका से जोड़ती है। इस कारण इस लाइन पर हमेशा भीड़ रहती है। यात्रियों का कहना है कि कुछ दिनों पहले भी सिग्नल समस्या के कारण ब्लू लाइन पर सेवा बाधित हुई थी। अब फिर से सेवा बाधित हो गई है। यात्रियों की यह भी नाराजगी है कि समय पर सूचित नहीं करने के कारण उन्हें अधिक परेशानी हो रही है।

चंडीगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता, एक्टिवा चोर गिरफ्तार

● 7 चोरी की एक्टिवा बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़- चंडीगढ़ पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर एक्टिवा चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई सात एक्टिवा बरामद की हैं। एसएसपी यूटी, चंडीगढ़ के निर्देशों तथा एसपी सिटी के मार्गदर्शन में एसडीपीओ साउथ गुरजीत कौर और थाना प्रभारी सेक्टर-34 इंस्पेक्टर शादीलाल की निगरानी में थाना सेक्टर-34 की टीम ने यह सफलता हासिल की। पुलिस टीम में एएसआई गुरप्रीत सिंह, हेड कांस्टेबल मनविंदर सिंह, सीनियर कांस्टेबल समरजीत तथा कांस्टेबल अभिमन्यु शामिल थे। पुलिस ने आरोपी लोकेश उर्फ बबलू पुत्र सीता राम, निवासी मकान नंबर 316/बी, धनास कॉलोनी, चंडीगढ़, उम्र 43 वर्ष को गिरफ्तार किया। आरोपी की गिरफ्तारी ई-एफआईआर नंबर 1332 दिनांक 23 अक्टूबर 2025, धारा 303(2) एवं 317(2) बीएनएस, थाना सेक्टर-34 के मामले में की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी के कब्जे से कुल सात चोरी की एक्टिवा बरामद की गईं, जिनमें से कई वाहन सेक्टर-34, सेक्टर-46, सेक्टर-27, आईटी पार्क और मलोया कॉलोनी सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से चोरी किए गए थे। मामले की जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता सुनील कुमार ने अपनी एक्टिवा सेक्टर-45 स्थित घर के बाहर खड़ी की थी, जो अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने 26 जून 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर पहले एक एक्टिवा बरामद की। इसके बाद पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी ने छह अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा किया, जिनके आधार पर अन्य एक्टिवा भी बरामद कर ली गई। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। चंडीगढ़ पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी किसी बड़े वाहन चोरी गिरोह से जुड़ा हुआ है या नहीं।

अबोहर में दूसरे दिन 6492 बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई

● हेल्थ वर्कर्स ने घर-घर जाकर बच्चों को ज़िंदगी की दो बूंदें पिलाईं

लगभग 73 परसेंट टारगेट पूरा हुआ: नोडल ऑफिसर डॉ. मुकेश कुमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अबोहर- हेल्थ डिपार्टमेंट और सिविल सर्जन डॉ. कविता सिंह के निर्देशों पर, डिस्ट्रिक्ट इम्यूनाइज़ेशन ऑफिसर डॉ. रिंकू चावला और स्म्ब्र अबोहर डॉ. सुमित सिंह की लीडरशिप में और नोडल ऑफिसर डॉ. मुकेश कुमार की देखरेख में आज पल्स पोलियो राउंड के दूसरे दिन 6492 बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई। डॉ. सुमित सिंह ने बताया कि पहले और दूसरे दिन के कवरेज को मिलाकर 14807 बच्चों को ड्रॉप्स पिलाई गई हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि अगर उनका 5 साल तक का बच्चा किसी भी कारण से पोलियो ड्रॉप्स से वंचित रह गया है तो वे 30 जून को घर-घर जाकर टीमों से अपने बच्चे को पोलियो ड्रॉप्स जरूर पिलाएं ताकि इस अभियान में 100 प्रतिशत सफलता मिल सके। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग इलाकों में जाकर टीमों का मनोबल भी बढ़ाया। नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार और मास मीडिया विंग से मनबीर सिंह ने बताया कि दूसरे दिन हेल्थ वर्करों ने घर-घर जाकर और हाई रिस्क एरिया व झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर 0 से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई। स्टाफ ने 72.26 प्रतिशत टारगेट हासिल किया है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए हेल्थ स्टाफ, आशा वर्कर, नर्सिंग स्टूडेंट व वॉलंटियर की करीब 155 टीमें बनाई गई हैं। इस समय मनबीर सिंह डिप्टी मास मीडिया अधिकारी, पीपी यूनिट इंचार्ज दिनेश रानी, भारत सेठी, अंकुश कुमार, लखविंदर कौर, संजय कुमार, डिंपल, रिया, लछमी रानी, सुरिंदर कौर, छिंदर कौर आदि मौजूद थे। मीरा नर्सिंग कॉलेज, सचखंड नर्सिंग कॉलेज, सरस्वती नर्सिंग कॉलेज और सरदार पटेल नर्सिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स, आंगनवाड़ी हेल्पर्स ने इस कैंपेन में पूरा सपोर्ट दिया।

गाजियाबाद में ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, लाखों की नकदी और भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त

गाजियाबाद। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स राजनगर एक्सटेंशन से एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। ब्रेजा कार से पकड़े गए आरोपित इटावा निवासी नितिन यादव की निशानदेही पर पुलिस ने इंदिरापुरम के एक फ्लैट से एमडीएमए, चरस और 10.21 किलो गांजा के अलावा पांच लाख रुपये नकद, 16 मोबाइल फोन, कई सिम कार्ड, बैंक कार्ड और पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए। मामले में नंदग्राम थाने में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद के मुताबिक एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि आरोपित ब्रेजा कार से मादक पदार्थों की खेप लेकर आने वाला है। राजनगर एक्सटेंशन में आसना चौक पर घेराबंदी कर उसे दबोचा गया। पूछताछ में उसने इंदिरापुरम स्थित फ्लैट में मादक पदार्थ रखे होने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस टीम ने फ्लैट पर दबिश देकर बरामदगी की। बरामद ड्रग्स में उड़ीसा किस्म का 6.77 किलो गांजा, मैंगो किस्म का 2.4 किलो गांजा, ओजी किस्म का 66 ग्राम गांजा, गांजा का 922 ग्राम चूरा, 132 ग्राम चरस और 20 ग्राम एमडीएमए (क्रिस्टल) शामिल है।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में सम्मान का विशेष समारोह

● 179 सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को मिली मानद पदोन्नति, पिपिंग समारोह में बढ़ाया गया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस मुख्यालय पीएचक्यू स्थित आदर्श सभागार में मंगलवार को आयोजित गरिमामय पिपिंग समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे दिल्ली पुलिस के 179 पुलिसकर्मियों को मानद पदोन्नति योजना के तहत अगले उच्च मानद पद से सम्मानित किया गया। समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को नए पदों के प्रतीक चिह्न पिप्स लगाकर उनके लंबे और उत्कृष्ट सेवाकाल का सम्मान किया।समारोह की अध्यक्षता विशेष पुलिस आयुक्त कार्मिक एवं वित्त राजेश खुराना, आईपीएस ने की। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सेवानिवृत्त हो रहे पुलिसकर्मियों को सम्मानित करते हुए उनके अनुकरणीय योगदान की सराहना की।अपने संबोधन में राजेश खुराना ने कहा कि दिल्ली पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने पूरे सेवाकाल में समर्पण, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ जनता की सेवा की है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की जांच करने तथा अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए उन्होंने विभाग की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का ऐसा दायित्व है जिसमें अधिकारी और कर्मचारी अपने सहकर्मियों के साथ परिवार से भी अधिक समय बिताते हैं। कठिन परिस्थितियों में साथ काम करने से उनके बीच गहरा विश्वास सहयोग और आत्मीयता विकसित होती है। इसी भावना के कारण 'दिल्ली पुलिस परिवार' केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और एकजुटता का जीवंत प्रतीक है।विशेष पुलिस आयुक्त ने सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन की कामना करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस भविष्य में भी आवश्यकता पड़ने पर हरसंभव सहयोग के लिए उनके साथ खड़ी रहेगी। समारोह में कुल 179 पुलिसकर्मियों को मानद पदोन्नति प्रदान की गई। इनमें 11 हेड कांस्टेबलों को मानद सहायक उप-निरीक्षक, 48 सहायक उप-निरीक्षकों को मानद उप-निरीक्षक तथा 120 उप-निरीक्षकों को मानद निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सम्मान, गौरव और भावनाओं से ओतप्रोत यह समारोह सभी के लिए यादगार बन गया।

नाबालिग बेटा बनेगा पिता का 'लाइफ सेवर', दिल्ली हाई कोर्ट ने दी लीवर दान करने की इजाजत

नई दिल्ली। पिता के प्रति लगाव, प्यार और समर्पण की यह अनूठी मिसाल है, जहां एक 17 साल के नाबालिग बेटे ने अपने पिता को लिवर दान देने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी। बेटे का फर्ज निभाने के जज्बे को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने लिवर ट्रांसप्लांट की अनुमति दे दी। मां के माध्यम से 17 वर्षीय नाबालिग प्रतीक शॉ द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि भले ही याचिकाकर्ता नाबालिग है, लेकिन वह अपनी मर्जी, प्यार और लगाव के कारण अपने पिता को अपने लिवर का एक हिस्सा दान करने को तैयार है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की अवकाश पीठ ने कहा कि अदालत का मानना है कि न्याय के नजरिए से लिवर डोनेशन और ट्रांसप्लांटेशन की अनुमति देना ही सबसे सही है, क्योंकि अगर कोर्ट ऐसी अनुमति नहीं देता है, तो याचिकाकर्ता के पिता की जान जा सकती है। पीठ ने वसंत कुंज स्थित इंस्टीट्यूट आफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आइएलबीएस) को याचिकाकर्ता का सभी कानूनी व क्लिनिकल प्रोटोकाल का पालन करते हुए लिवर ट्रांसप्लांट करने का निर्देश दिया। वहीं, आइएलबीएस ने पीठ को बताया कि अस्पताल अदालत के आदेश का इंतजार कर रहा है और अब आपरेशन के लिए जल्द ही तारीख तय की जाएगी। अदालत ने दिल्ली सरकार की तरफ से दाखिल हलफनामा को रिकार्ड पर लेते हुए कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुमति मिलने के संबंध में 29 जून 2026 को जारी किए गए पत्र बाद उपराज्यपाल व संबंधित अधिकारियों ने लिवर ट्रांसप्लांट की मंजूरी दे दी है। याचिका स्वीकार करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ही पिता को लिवर दान करने के लिए एकमात्र उपयुक्त डोनर है और वह पूरी तरह से बेटे के फर्ज के नाते बिना किसी दबाव के अपने बीमार पिता को अपने लिवर का एक हिस्सा दान करने को तैयार है। मां वंदना शॉ के माध्यम से दायर याचिका में याचिकाकर्ता प्रतीक शॉ ने कहा कि अपने पिता की जान बचाने के लिए अपने लिवर का एक हिस्सा दान करने को तैयार है। उसने कहा कि उसके पिता एक गंभीर लिवर की समस्या से जूझ रहे हैं और आइएलबीएस में सिरोसिस, पोर्टल हाइपरटेंशन, हल्के एसाइटिस और लिवर सेल कार्सिनोमा जैसी गंभीर लिवर की बीमारियों के लिए चल रहा है।

केतन हत्याकांड के बाद तेजी से बढ़ा 'डार्क टूरिज्म

● केतन अग्रवाल हत्याकांड के बाद लोनावला के लोहागढ़ किले पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है, जहां 'सिया प्वाइंट' पर डार्क टूरिज्म में 25% की बढ़ोतरी हुई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के प्रसिद्ध लोनावला स्थित ऐतिहासिक लोहागढ़ किले पर इन दिनों पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि सैलानी यहां किसी प्राकृतिक सौंदर्य को देखने नहीं, बल्कि हाल ही में हुए सनसनीखेज केतन 'अग्रवाल हत्याकांड' के उस खौफनाक मुहाने को देखने पहुंच रहे हैं, जहां से उसे नीचे धकेला गया था। इंटरनेट मीडिया पर लोग इस टीले को अब अनौपचारिक रूप से 'सिया प्वाइंट' कहने लगे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस 'डार्क टूरिज्म' के चलते किले में पर्यटकों की संख्या में अचानक 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बता दें कि पुणे के जाने-माने रियल एस्टेट कारोबारी के बेटे केतन अग्रवाल (26 वर्ष) की शादी आगामी नवंबर महीने में सिया गोयल (20 वर्ष) नाम की युवती से होने वाली थी।

लोहागढ़ किले से ढकेलकर की हत्या

केतन के परिवार ने इस भव्य शादी के लिए उदयपुर में एक आलीशान पैलेस भी बुक कर लिया था। कहा जा रहा है कि बीबीए की पढ़ाई कर रही सिया इस शादी से खुश नहीं थी। वह अपने प्रेमी चेतन चौधरी (22 वर्ष) के साथ रहना चाहती थी। केतन को रास्ते से हटाने के लिए दोनों ने मिलकर खौफनाक साजिश रची और 18 जून को लोहागढ़ किले के एक टीले से केतन को ढकेलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या से ठीक एक दिन पहले यानी 17 जून को पुणे के कोंढवा इलाके के एक कैफे में इस मर्डर का पूरा ब्लूप्रिंट तैयार किया गया था। योजना के तहत 18 जून को सिया के जन्मदिन का जश्न मनाने के बहाने केतन को लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए ले जाया गया।

कैसे रची हत्या की साजिश?

सिया का प्रेमी चेतन चौधरी भारी गर्मी (33 डिग्री तापमान) के बावजूद हुडी पहनकर और अपना मोबाइल पीछे छोड़कर गुप्त रूप से किले पर उनका पीछा कर रहा था ताकि पुलिस की नजरों और जीपीएस ट्रैकिंग से बच सके। जैसे ही वे किले के एकांत और खतरनाक विंचू काटा रिज के पास पहुंचे, सिया ने योजना के अनुसार 'जूते के फीते बांधने' के बहाने जमीन पर बैठने का नाटक किया। यह इस बात का संकेत था कि केतन की पीठ खाई की तरफ है और सिया सुरक्षित दूरी पर है। इशारा पाते ही चेतन ने पीछे से आकर केतन को 400 फीट गहरी खाई में बेरहमी से धकेल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।